सांध्य दैनिक
# नई दृष्टिबिंदु
सच की शक्ति, जनता की दृष्टि
PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

**सु-विचार**

*हँसियत का परिचय तब देना चाहिए,*
*जब बात आत्मसम्मान की हो*
*अन्यथा सादगी ही सबसे बड़ा परिचय होता है...!!*
*अज्ञात...*

वर्ष–01 अंक–51 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, गुरुवार 12 मार्च 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य –2 रुपए,

# राघव चड्डा ने संसद में उठाया मोबाइल रिचार्ज का मुद्दा, कंपनियों पर 'लीगल लूट' का आरोप

## 28 दिन का रिचार्ज या साल भर की 'अतिरिक्त वसूली'? संसद में उठा मोबाइल यूजर्स का बड़ा सवाल

*नई दृष्टिबिंदु / नईदिल्ली*

देश में मोबाइल आज केवल बातचीत का माध्यम नहीं रहा, बल्कि यह बैंकिंग, पहचान, आपात संपर्क और डिजिटल सेवाओं की जीवन रेखा बन चुका है। ऐसे में मोबाइल रिचार्ज की बढ़ती कीमतें और कंपनियों की नीतियां अब राष्ट्रीय बहस का विषय बनती जा रही हैं। हाल ही में राघव चड्ढा ने राज्यसभा में इस मुद्दे को जोरदार तरीके से उठाते हुए टेलीकॉम कंपनियों की नीति को आम लोगों के साथ 'कानूनी लूट' तक करार दिया।

### 28 दिन की वैलिडिटी का गणित

राघव चड्ढा का सबसे बड़ा सवाल मोबाइल रिचार्ज के 28 दिन वाले प्लान को लेकर था। उनका कहना है कि जब एक महीना औसतन 30 दिन का होता है, तो कंपनियां 28 दिन का प्लान क्यों देती हैं। सरल भाषा में समझें तो अगर प्लान 28 दिन का है, तो साल के 365 दिनों को कवर करने के लिए ग्राहक को 12 नहीं बल्कि 13 बार रिचार्ज करना पड़ता है। यानी ग्राहक से साल में एक अतिरिक्त महीने का पैसा वसूला जाता है। यही कारण है कि चड्ढा ने इसे एक तरह का 'गणित का खेल' बताया, जिससे कंपनियों को बड़ा फायदा होता है।

### इनकमिंग कॉल और OTP बंद करने पर सवाल

दूसरा बड़ा मुद्दा इनकमिंग कॉल और रटर को लेकर उठाया गया। चड्ढा ने कहा कि अगर रिचार्ज

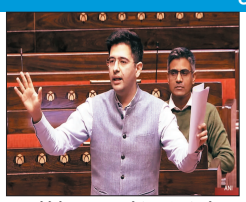

खत्म होने के बाद आउटगोइंग कॉल बंद हो जाए तो यह समझ में आता है, लेकिन इनकमिंग कॉल और बैंकिंग OTP जैसे जरूरी संदेश बंद कर देना आम लोगों को मुश्किल में डाल देता है। आज मोबाइल नंबर केवल संपर्क का साधन नहीं बल्कि बैंकिंग, सरकारी योजनाओं और डिजिटल सेवाओं की पहचान बन चुका है। ऐसे में अगर रिचार्ज खत्म होते ही OTP और जरूरी संदेश बंद हो जाएं तो व्यक्ति कई जरूरी सेवाओं से कट जाता है।

### संसद में उठी प्रमुख मांगें

राघव चड्ढा ने सरकार और TRAI के सामने कुछ अहम मांगें भी रखीं। पहली मांग यह थी कि कंपनियों को कम से कम 30 दिन की वैलिडिटी वाला प्लान देना अनिवार्य किया जाए। दूसरी मांग यह कि रिचार्ज खत्म होने के बाद भी कम से कम एक साल तक इनकमिंग कॉल और रटर चालू रहें। इसके अलावा उन्होंने यह भी कहा कि मोबाइल नंबर को रिचार्ज न होने पर तुरंत बंद या किसी और को देने के बजाय कम से कम तीन साल तक सुरक्षित रखा जाना चाहिए। साथ ही गरीब और कीपैड फोन इस्तेमाल करने वाले लोगों के लिए केवल कॉल वाला सस्ता रिचार्ज प्लान भी उपलब्ध होना चाहिए।

### विपक्ष का सरकार पर हमला

इस मुद्दे को लेकर विपक्षी दलों ने भी सरकार को घेरा। रंदीप सिंह सुरजेवाला ने आरोप लगाया कि टेलीकॉम कंपनियों द्वारा की गई टैरिफ वृद्धि से आम लोगों पर आर्थिक बोझ बढ़ा है। उनका कहना है कि सरकार की नीतियों का फायदा बड़ी कंपनियों को मिल रहा है, जबकि आम उपभोक्ता लगातार महंगे रिचार्ज से परेशान है।

### असल सवाल : मोबाइल सुविधा या मजबूरी?

आज भारत में करोड़ों लोग मोबाइल का इस्तेमाल करते हैं और उनमें से अधिकांश प्रीपेड उपभोक्ता हैं। ऐसे में रिचार्ज की छोटी-छोटी शर्तें भी आम लोगों की जेब पर बड़ा असर डालती हैं। यही कारण है कि संसद में उठाया गया यह मुद्दा केवल राजनीति नहीं बल्कि रोजमर्रा की जिंदगी से जुड़ा सवाल बन गया है। आने वाले समय में यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि सरकार और नियामक संस्थाएं इस बहस के बाद क्या कदम उठाती हैं—क्योंकि मोबाइल अब सुविधा नहीं, बल्कि आधुनिक जीवन की जरूरत बन चुका है।

**त्वरित टिप्पणी**

## नक्सलवाद के अंत की दस्तक शांति का टापू बनने की उम्मीद

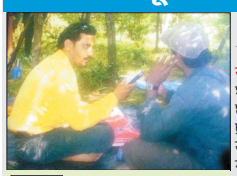

*आलोक तिवारी*

नक्सलवाद! एक ऐसा शब्द जिसने वर्षों तक छत्तीसगढ़ की पहचान को प्रभावित किया। धीरे-धीरे यह धारणा बनने लगी कि मानो छत्तीसगढ़ ही नक्सलवाद का गढ़ हो। जबकि सच्चाई यह है कि इस विचारधारा का जन्म छत्तीसगढ़ की धरती पर नहीं हुआ था। इसकी शुरुआत पश्चिम बंगाल के गांव नक्सलबाड़ी में सामंतवाद के खिलाफ एक आंदोलन के रूप में हुई थी, जिसने आगे चलकर देश के कई हिस्सों में हिंसक रूप ले लिया।

यह तस्वीर उन दिनों की है जब नक्सलवाद छत्तीसगढ़ प्रदेश में अपने चरम पर था।

90 के दशक में इसकी परछाई छत्तीसगढ़ के वनांचल क्षेत्रों तक पहुंची। धीरे-धीरे बस्तर सहित उड़ीसा, महाराष्ट्र, झारखंड और मध्यप्रदेश की सीमाओं से लगे आदिवासी अंचलों में नक्सली संगठन सक्रिय हो गए। छोटे-छोटे समूह आगे चलकर दलम, डिवीजन और सेंट्रल कमेटियों में बदल गए। एक समय शांति का टापू कहलाने वाला छत्तीसगढ़ धीरे-धीरे लाल हिंसा की आंधी में घिर गया। गांवों में दहशत, जंगलों में बारूदी सुरंगें और सड़कों पर खून के निशान दिखाई देने लगे।

### खून से लिखे गए कई काले अध्याय

छत्तीसगढ़ ने नक्सली हिंसा की कई बड़ी घटनाएं देखीं। 2010 में दंतेवाड़ा में हुए हमले में 76 सीआरपीएफ जवान शहीद हो गए थे, जो देश के इतिहास की सबसे बड़ी नक्सली घटनाओं में से एक मानी जाती है। 2013 की झीरम घाटी की घटना ने पूरे देश को झकझोर दिया। उस हमले में विद्याचरण शुक्ल, महेंद्र कर्मा, नंदकुमार पटेल, उनके पुत्र दिनेश पटेल, उदय मुदलियार और अल्ला नूर सहित लगभग 45 नेता और सुरक्षा जवान शहीद हो गए थे। ऐसी अनेक घटनाओं ने छत्तीसगढ़ की आत्मा को झकझोर दिया।

आंकड़े बताते हैं कि वर्ष 2000 के बाद से नक्सल हिंसा में देशभर में 11 हजार से अधिक नागरिक और सुरक्षा बलों के जवान अपनी जान गंवा चुके हैं। केवल छत्तीसगढ़ में ही हजारों लोग इस हिंसा के शिकार हुए और बस्तर संभाग में सबसे अधिक घटनाएं दर्ज की गईं। 2024 में ही नक्सल हिंसा से जुड़े 313 लोगों की मौत दर्ज की गई, जिनमें नागरिक, सुरक्षा जवान और नक्सली शामिल थे।

### संघर्ष भी जारी रहा

इस दौरान नक्सलवाद से लड़ने के लिए कई प्रयास हुए। सलवा जुडूम जैसा बड़ा जनांदोलन खड़ा हुआ। सुरक्षा बलों ने लगातार जंगलों में अभियान चलाए। पुनर्वास नीति भी बनी, लेकिन लंबे समय तक निर्णायक परिणाम सामने नहीं आए। लेकिन हाल के वर्षों में तस्वीर बदलती दिखाई दे रही है। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार और गृहमंत्री अमित शाह ने नक्सलवाद के खिलाफ निर्णायक रणनीति अपनाने का संकेत दिया। छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और राज्य के गृहमंत्री विजय शर्मा के नेतृत्व में सुरक्षा बलों और राज्य पुलिस के बीच बेहतर समन्वय बना। परिणाम यह हुआ कि लगातार अभियान चले, कई बड़े नक्सली मारे गए, सैकड़ों गिरफ्तार हुए और बड़ी संख्या में नक्सलियों ने आत्मसमर्पण भी किया। केवल पिछले कुछ वर्षों में ही सैकड़ों नक्सली मुठभेड़ों में मारे गए और कई सौ ने हथियार डाल दिए। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने नक्सलवाद के खात्मे के लिए 31 मार्च 2026 तक का लक्ष्य तय किया है।

### उम्मीद का नया सवेरा

आज छत्तीसगढ़ में उम्मीद की किरण दिखाई दे रही है। जिन गांवों में कभी बंदूक की आवाज गूंजती थी, वहां अब सड़क, स्कूल और अस्पताल पहुंचने लगे हैं। जिन इलाकों में कभी लाल झंडे लहराते थे, वहां अब तिरंगा और विकास की बात हो रही है। लेकिन इस उम्मीद के साथ एक जिम्मेदारी भी जुड़ी है। छत्तीसगढ़ के लोगों के लिए जल, जंगल और जमीन केवल संसाधन नहीं बल्कि जीवन का आधार हैं। विकास की प्रक्रिया में यह सुनिश्चित होना चाहिए कि यहां के खनिज संसाधनों का उपयोग छत्तीसगढ़ और यहां के लोगों के हित में हो।

### सच्ची श्रद्धांजलि

नक्सलवाद का अंत केवल सुरक्षा अभियान की सफलता नहीं होगा। यह उन हजारों शहीद जवानों और अधिकारियों की कुर्बानी का सम्मान भी होगा, जिन्होंने इस धरती की शांति के लिए अपने प्राण न्योछावर कर दिए। जिस दिन छत्तीसगढ़ फिर से पूरी तरह शांति का टापू बन जाएगा, उसी दिन हमारे शहीद वीर जवानों को सच्ची श्रद्धांजलि मिलेगी। कुल मिलाकर बात यही है— अगर नीयत साफ हो, नीति स्पष्ट हो और इरादा मजबूत हो, तो नक्सलवाद जैसी नासूर बन चुकी समस्या का भी स्थायी समाधान संभव है। और तब इतिहास लिखेगा कि यह लड़ाई केवल बंदूक की नहीं थी, यह भटके हुए अपनों को वापस मुख्यधारा में लाने की सबसे बड़ी जीत थी।

# हथियारों के साथ 108 माओवादियों का सर्मपण 1 किलो सोना और 3.60 करोड़ नगद की बरामदगी

## आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों में 44 महिलाएँ और 64 पुरुष शामिल हैं

*नई दृष्टिबिंदु / जगदलपुर*

छत्तीसगढ़ के बस्तर क्षेत्र में नक्सलवाद के खिलाफ चल रहे अभियानों को एक ऐतिहासिक सफलता मिली है। पूना मारगेम : पुनर्वास से पुनर्जीवन पहल के अंतर्गत दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी (DKSZC) से जुड़े 108 माओवादी कैडरों ने जगदलपुर में सामूहिक रूप से आत्मसमर्पण किया। इनमें 44 महिलाएँ और 64 पुरुष शामिल हैं।

इन सभी पर कुल 3.95 करोड़ रुपये का इनाम घोषित था। विभिन्न जिलों से आए इन नक्सलियों में बीजापुर से 37, दंतेवाड़ा से 30, सुकमा से 18, बस्तर से 16, नारायणपुर से 4 और कांकेर से 3 शामिल थे। इस सरेंडर के साथ ही सुरक्षा बलों (छत्तीसगढ़ पुलिस, CRPF, COBRA आदि) को अब तक की सबसे बड़ी नक्सली डंप बरामदगी मिली है। सरेंडर करने वाले कैडरों की निशानदेही पर विभिन्न स्थानों से बरामद सामग्री में शामिल हैं।

यह बरामदगी नक्सल विरोधी अभियानों के इतिहास में अब तक की सबसे बड़ी मानी जा रही है। बस्तर आईजी पी. सुंदरराज ने इसे क्षेत्र की बदलती तस्वीर बताया और जोर दिया कि यह पहल केवल हथियार छुड़ाने तक सीमित नहीं, बल्कि भटके हुए युवाओं को सम्मानजनक जीवन प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। 108 माओवादी कैडरों का सामूहिक आत्मसमर्पण और उसके साथ जुड़ी अब तक की सबसे बड़ी डंप बरामदगी स्पष्ट संकेत देती है कि नक्सल संगठनों की आर्थिक और सैन्य ताकत अब टूटने की कगार पर है।

केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित 31 मार्च 2026 की समय-सीमा से महज 20 दिन पहले यह उपलब्धि नक्सल मुक्त भारत के लक्ष्य को वास्तविकता के निकट ला रही है। पूना मारगेम जैसी पुनर्वास नीतियाँ जो हिंसा छोड़ने वालों को रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक सम्मान का आश्वासन देती हैं, सिद्ध कर रही हैं कि विकास और संवाद बल प्रयोग से अधिक प्रभावी हथियार हैं।

## बस्तर में बंदूक हार रही है, विश्वास जीत रहा है : मुख्यमंत्री साय

**रायपुर।** मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बस्तर क्षेत्र में माओवादी हिंसा के खिलाफ चल रही मुहिम को एक बड़ी सफलता बताते हुए कहा है कि अब बस्तर में बंदूक नहीं, बल्कि विश्वास की जीत हो रही है। उन्होंने कहा कि जगदलपुर में ?3 .29 करोड़ के इनामी 108 सशस्त्र माओवादी कैडरों द्वारा हिंसा का रास्ता छोड़कर समाज की मुख्यधारा में लौटने का निर्णय इस बात का स्पष्ट संकेत है कि बस्तर में शांति, सुशासन और विकास की दिशा में सकारात्मक परिवर्तन हो रहा है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि आत्मसमर्पण करने वाले इन माओवादी कैडरों में 44 महिला माओवादी भी शामिल हैं। यह दर्शाता है कि बस्तर के लोगों में अब विकास और शांति के मार्ग पर आगे बढ़ने का विश्वास लगातार मजबूत हो रहा है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार की पुनर्वास नीति, सुरक्षा बलों के समन्वित प्रयासों तथा बस्तर क्षेत्र में तेजी से हो रहे विकास कार्यों के कारण बड़ी संख्या में माओवादी हिंसा का रास्ता छोड़कर समाज की मुख्यधारा में शामिल हो रहे हैं। इससे बस्तर में शांति का वातावरण मजबूत हो रहा है और आम लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव दिखाई दे रहा है। मुख्यमंत्री श्री साय ने इस सफलता के लिए सुरक्षा बलों के साहस, प्रशासन के प्रयासों तथा स्थानीय लोगों के सहयोग की सराहना की। उन्होंने कहा कि बस्तर के लोग अब भय और हिंसा से मुक्त होकर विकास और समृद्धि की दिशा में आगे बढ़ना चाहते हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह जी के मार्गदर्शन में नक्सलवाद के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई की जा रही है। छत्तीसगढ़ सरकार केंद्र सरकार के साथ समन्वय करते हुए नक्सलवाद के पूर्ण खात्मे की दिशा में दृढ़ता से आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य बस्तर सहित पूरे छत्तीसगढ़ को भयमुक्त, शांतिपूर्ण और विकसित बनाना है। इसके लिए सुरक्षा, विकास और विश्वास—इन तीनों मोर्चों पर लगातार कार्य किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने दोहराया कि भयमुक्त और विकसित छत्तीसगढ़ का निर्माण सरकार का अटल संकल्प है।

**कार्रवाई** करदाताओं को उनकी गलतियों को सुधारने मार्गदर्शन और सलाह देने नड्ज अभियान शुरू

# आयकर विभाग ने कारोबार छुपाने वाले रेस्तरांओं पर राष्ट्रव्यापी चलाया विशेष सत्यापन अभियान

*नई दृष्टिबिंदु / नईदिल्ली*

आयकर विभाग ने नवंबर 2025 में खाद्य एवं पेय क्षेत्र में कर चोरी के पैटर्न से संबंधित जांच की। इस जांच के दौरान यह पाया गया कि कई रेस्तरां वास्तविक बिक्री को छिपाने के लिए थोक बिलों को हटाने और अन्य संशोधनों में लगे हुए थे।

खाद्य एवं पेय क्षेत्र के लगभग 1.77 लाख रेस्तरांओं के लेन-देन संबंधी डेटा का उन्नत विश्लेषण एआई-आधारित विश्लेषणात्मक उपकरणों का उपयोग करके किया गया। डेटा की तुलना उनके आयकर रिटर्न में घोषित कारोबार से की गई। विश्लेषण से आय की बड़े पैमाने पर कम रिपोर्टिंग का पता चला। कुछ मामलों में, दर्ज की गई बिक्री वित्तीय

खातों या कर दाखिलों में पूरी तरह से प्रतिबिंबित नहीं हुई थी, और कुछ लेन-देन को रिपोर्ट की गई बिक्री से बाहर रखा गया था। परिणामस्वरूप, 8 मार्च 2026 को 22 राज्यों के 46 शहरों में स्थित 62 रेस्तरांओं पर एक राष्ट्रव्यापी सर्वेक्षण किया गया। प्रारंभिक तौर पर, इस सर्वेक्षण में लगभग 408 करोड़ रुपये की बिक्री को छुपाने का खुलासा हुआ। इस संबंध में जांच जारी है।

विभाग स्वैच्छिक अनुपालन और विश्वास-आधारित दृष्टिकोण पर जोर देना जारी रखे हुए है। करदाताओं को उनकी गलतियों को सुधारने के लिए मार्गदर्शन और सलाह देने हेतु सक्षम

नड्ज अभियान शुरू किया गया है। करदाताओं को आयकर अधिनियम की धारा 139(8ए) के तहत अद्यतन रिटर्न दाखिल करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। पहले चरण में, चिन्हित 63,000 रेस्तरांओं को ईमेल और संदेश भेजे जाएंगे, जिसमें उनसे 31 मार्च 2026 से पहले अपने रिटर्न को अद्यतन करने का अनुरोध किया जाएगा।

महत्वपूर्ण सूचना! हमारे पाठकों के लिए
सांध्य दैनिक नई दृष्टिबिंदु
सांध्य दैनिक नई दृष्टिबिंदु का E-Paper भी तैयार है। प्रतिदिन शाम 4:00 बजे पेपर नई दृष्टिबिंदु के गुगल के साइट Nayi Drishtibindu पर अपलोड हो जाता है। सभी पाठकों से आग्रह है कि प्रतिदिन शाम 4:00 बजे साइट पर Nayi Drishti bindu E-Paper सर्च कर ई पेपर देख सकते हैं।
Google
NAYI DRISHTIBINDU E-PAPER
शाम 4 बजे से पढ़े

खास खबर

## शासकीय महाविद्यालय जामुल में मनाया गया अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

*नई दृष्टिबिंदु / भिलाई-जामुल*

डॉ. मनराखन लाल साहू शासकीय महाविद्यालय जामुल में मंगलवार को महिला प्रकोष्ठ एवं महिला उत्पीड़न निवारण समिति के तत्वाधान में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य मे वित्तीय साक्षरता विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम प्राचार्य डॉ. आरएस सिंह के सफल निर्देशन में सम्पन हुआ ।

कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती की पूजा एवं अर्चना कर की गई। इस कार्यक्रम की मुख्य वक्ता डॉ शशि कश्यप विभागाध्यक्ष वाणिज्य विभाग थी ।उन्होंने वित्तीय साक्षरता में कमाई, खर्च, बचत, उधार और निवेश के बुनियादी सिद्धांत के बारे मे विस्तार से चर्चा की ।साथ ही साथ वित्तीय साक्षरता विषय पर प्रश्नोतरी कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

डॉ. रचना चौधरी ने अपने उद्बोधन में वर्ष 2026 महिला दिवस की थीम " give to gain " ( 'दान करके लाभ प्राप्त करें ) जब हम देते हैं, तो हमें मिलता है। आइए, मिलकर भरपूर दान के माध्यम से लैंगिक समानता को बढ़ावा देने में मदद करें, इस पर अपने विचार व्यक्त किये। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक गण व विद्यार्थी गण उपस्थित रहे। रखे ।अंत में डॉ. रचना चौधरी ने सभी प्राध्यापकों एवं विद्यार्थियों को कार्यक्रम को सफल बनाने के लिये धन्यवाद दिया । कार्यक्रम को सफल बनाने में गजेंद्र कश्यप, डॉ. भावना माहुले, डॉ. रमेश मेश्राम ,डॉ. संजय परगनिया , सुश्री विनीता परगनिहा ,पी हेमा राव, डॉ. अंजू माला साहू, भुनेश्वर साहू , अशोक यादव एवं अंकिता गिरपुनजे का विशेष योगदान रहा।

## सशक्त नारी, समृद्ध समूह- कमलेश्वरी बनी आर्थिक स्वावलंबन की नई मिसाल

**दुर्ग।** प्रदेश सरकार की 'महतारी वंदन योजना' केवल एक वित्तीय सहायता नहीं, बल्कि महिलाओं के आर्थिक स्वावलंबन का आधार भी बन रही है। दुर्ग जिले के बघेरा ग्राम की रहने वाली कमलेश्वरी यादव की कहानी बताती है कि कैसे सरकार की एक संवेदनशील पहल, एक महिला के दृढ़ संकल्प से मिलकर पूरे परिवार और समाज की तस्वीर बदल सकती है। कमलेश्वरी योजना से मिलने वाली राशि का सबसे महत्वपूर्ण उपयोग अपने बच्चों की शिक्षा और उनके उज्जवल भविष्य को गढ़ने में कर रही हैं, क्योंकि उनका मानना है कि शिक्षा ही वह सशक्त माध्यम है जो परिवार की अगली पीढ़ी के लिए समृद्धि के द्वार खोल सकती है।

घर के बजट में इस निश्चित मासिक आय के जुड़ जाने से अब वे बच्चों की पढ़ाई-लिखाई, स्कूल की फीस और अन्य जरूरी शैक्षणिक सामग्रियों का इंतजाम बिना किसी मानसिक दबाव के कर पा रही हैं, जिससे उनके बच्चों के सपनों को भी अब एक मजबूत आधार मिल रहा है। वे अपने क्षेत्र के स्व-सहायता समूह से सक्रिय रूप से जुड़ी हुई हैं और उन्होंने समूह की अन्य दीदियों को भी इस राशि के सदुपयोग के लिए प्रेरित किया है। कमलेश्वरी बताती है वे अपने समूह की महिलाओं के साथ मिलकर महतारी वंदन योजना से प्राप्त राशि को छोटी-छोटी बचतों के माध्यम से एक कार्यशील पूंजी के रूप में उपयोग करते हुए अपने समूह के विभिन्न कार्यों और स्थानीय स्तर पर संचालित होने वाले छोटे व्यवसायों में निवेश कर रही हैं।

## उत्तर प्रदेश के पुजारी अरूण शर्मा ने संस्कार धानी के धार्मिक स्थल का किया दर्शन

*नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव*

एक दिवसीय धार्मिक स्थल दर्शन करने दक्षिण मुखी हनुमान मंदिर हस्तिनापुर उत्तर प्रदेश के पुजारी अरूण शर्मा ने महाकाल मंदिर मां भांनेश्वरी देवी मंदिर सिधोंला मां पाताल भैरवी राजनांदगांव के पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद लिया। मां पताल भैरवी मंदिर पुजारी ने तिलक लगाकर श्रीफल चुनरी भेंट किया और संस्कारधानी तथा छत्तीसगढ़ के संस्कृति की जानकारी लेकर खुशी जाहिर किया। साथ ही उनके साथ सुजाता शर्मा पूर्व जनपद सदस्य, योगेंद्र दास वैष्णव, पूर्व जनपद रोशनी वैष्णव, नरेन्द्र दास वैष्णव, लक्ष्मी वैष्णव, विक्की वैष्णव और भोज साहू उपस्थित थे।

# गैस सिलेंडर की उपलब्धता और आपूर्ति को लेकर सरकार का दावा झूठा- कांग्रेस

*नई दृष्टिबिंदु / रायपुर*

रसोई गैस सिलेंडर की उपलब्धता और आपूर्ति को लेकर सरकार के दावे पर सवाल उठाते हुए प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि घरेलू गैस की आपूर्ति पिछले 5 दिनों से बाधित है। कामशियल गैस सिलेंडर की सप्लाई अचानक से रोक दिया गया है, उसके बावजूद सरकार यह झूठा दावा कर रही है कि कोई कमी नहीं है, पर्याप्त उपलब्धता है।

सच यह है कि सरकार की दुर्भावना से विगत तीन महीनों में घरेलू रसोई गैस के दाम में 307 रुपए प्रति सिलेंडर की वृद्धि भाजपा की सरकार ने किया है अब एक बार फिर 60 रूपये महंगा ? मूल्य वृद्धि से हफ्ता भर पहले जिन उपभोक्ताओं ने बुकिंग कराया था जिनका डीएसी जारी हो चुका था, अब 25 दिन बाद ही दूसरे सिलेंडर के बुकिंग की बाध्यता

कामर्शियल सिलेंडर पर अघोषित रोक से घरेल सिलेंडर का दुरुपयोग और कालाबाजारी बढ़ेगा-सुरेन्द्र वर्मा

अब सप्लाई के वक्त अब नए डीएसी जारी करके अधिक कीमत वसूल जा रहा है।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि घरेलू गैस सिलेंडर की अगली बुकिंग के लिए 4 दिनों का अंतराल बढ़ाना, 21 दिन के बजाय

इस बात का प्रमाण है कि उपलब्धता और सप्लाई में अड़चन तो है, लेकिन यह सरकार वास्तविक परिस्थिति से इनकार कर रही है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि अचानक से कामर्शियल गैस की सप्लाई अघोषित तौर पर रोक देने से घरेलू गैस सिलेंडरों का दुरुपयोग होगा, कालाबाजारी होगी और होटल व्यवसाईयों को भी दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा, जिससे कुक्ड फूड के दाम भी प्रभावित होंगे, महंगाई बढ़ेगी।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि मोदी सरकार के 12 साल के दौरान जब-जब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर क्रूड मिल के दामों में कमी आई है उसका लाभ लगातार जनता से छिन गया और अब कीमतें बढ़ाकर महंगाई के बोझ से जनता का पसीना निकल जा रहा है। 2014 से 2025 तक मोदी सरकार ने केवल पेट्रोलियम उत्पाद से 42 लाख करोड़ से अधिक की कमाई जनता की जेब पर डकैती डालकर किया है पेट्रोल पर सेंट्रल एक्साइज जो यूपीए के दौरान 10रू. 38 पैसा था उसे मोदी सरकार ने तीन गुना से ज्यादा बढ़कर 32 रू. 98 पैसा कर दिया है। 410 का सिलेंडर जिस पर 100 डेढ़ सौ रुपए सब्सिडी भी मिलता था, आज 980 के पार है। भारतीय जनता पार्टी के आर्थिक कुप्रबंधन और अनियंत्रित मुनाफाखोरी के चलते ही देश की जनता महंगाई से त्रस्त है। गैस सिलेंडरों की दिक्कतों से आम जनता के लिए रसोई में भोजन बनाना भी मुश्किल हो रहा है।

# जिसकी मस्ती जिंदा है उसकी हस्ती जिंदा है वरना हम सब तो जबरदस्ती जिंदा है : अजय

*नई दृष्टिबिंदु / भिलाई*

सेक्टर-6 स्थित आर्य समाज में पूजनीय माता श्रीमती जानकी देवी ( धर्मपत्नी स्व. त्रिलोकिनाथ ) की पावन स्मृति में श्रद्धा, भक्ति और वैदिक वातावरण के मध्य शांति यज्ञ, सत्संग एवं श्रद्धांजलि सभा का आयोजन सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में परिवारजन, मित्रगण तथा क्षेत्र के अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित होकर दिवंगत आत्मा के प्रति अपनी श्रद्धा अर्पित करने हेतु एकत्रित हुए।

कार्यक्रम का प्रारंभ वैदिक मंत्रोच्चार के साथ शांति यज्ञ से हुआ। यज्ञ का संचालन एवं वैदिक विधि-विधान का मार्गदर्शन आचार्य अंकित शर्मा शास्त्री ने किया। उन्होंने यज्ञ और वैदिक मंत्रों के वैज्ञानिक एवं आध्यात्मिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि यज्ञ केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि एक वैज्ञानिक प्रक्रिया भी है जो वातावरण को शुद्ध करने के साथ-साथ मनुष्य के मन, विचार और जीवन को भी पवित्र बनाती है। वैदिक मंत्रों की ध्वनि, यज्ञ की आहुति और सामूहिक प्रार्थना का उद्देश्य केवल दिवंगत आत्मा की शांति ही नहीं, बल्कि उपस्थित सभी लोगों के मन में सकारात्मकता, संयम और सदाचार के संस्कार उत्पन्न करना भी है।

उन्होंने कहा कि आर्य समाज की शिक्षाओं का मूल संदेश है—सत्य का अनुसरण, ईश्वर की उपासना, सेवा और मानवता का कल्याण। मनुष्य जब अपने जीवन में इन सिद्धांतों को अपनाता है, तब उसका जीवन स्वयं एक सत्संग बन जाता है। आचार्य जी ने कहा कि जीवन की सबसे बड़ी साधना यह है कि मनुष्य अपने विचारों को शुद्ध रखे, अपने कर्मों को श्रेष्ठ बनाए और अपने व्यवहार से समाज में प्रेम और सद्भाव फैलाए।

डॉ. अजय आर्य ने परिजनों से चर्चा करते हुए अत्यंत प्रेरणादायक विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि संसार में हर शरीर नश्वर है—आज है, कल नहीं है। किंतु मनुष्य अपने सद्कर्मों, सेवा और सद्भावना के माध्यम से समाज में ऐसा स्थान बना सकता है जो उसे स्मृतियों में अमर बना देता है। उन्होंने कहा कि जीवन की सच्ची सफलता इस बात में नहीं है कि हमने कितना संग्रह किया, बल्कि इस बात में है कि हमने अपने जीवन से दूसरों के लिए कितना उपयोगी कार्य किया।

उन्होंने अपने उद्बोधन में माताजी के जीवन से प्रेरणा लेते हुए कहा कि वे सदैव प्रसन्नता और सहजता से जीवन जीने की प्रेरणा देती थीं। उनका संदेश था कि जीवन को बोझ बनाकर नहीं, बल्कि एक अवसर मानकर जीना चाहिए। उन्होंने मुस्कराते हुए एक हल्का प्रसंग भी सुनाया कि एक व्यक्ति हर समय दुखी रहने की आदत में इतना डूब गया था कि जब किसी ने उससे पूछा—'आप खुश कब होते हैं ?' तो उसने कहा—'जब मुझे दुखी होने का कोई नया कारण मिल जाता है।' इस प्रसंग के माध्यम से उन्होंने कहा कि जो लोग हर समय रोने का बहाना ढूँढते रहते हैं, वे जीवन के वास्तविक सुख-दुख को समझ ही नहीं पाते। इसलिए मनुष्य को जीवन को हँसते-मुस्कुराते, गुनगुनाते और ईश्वर का स्मरण करते हुए जीना चाहिए।

डॉ. अजय आर्य ने कहा कि आर्य समाज की शिक्षा हमें यही प्रेरणा देती है कि हम जीवन को सकारात्मक दृष्टि से देखें, ईश्वर में आस्था रखें, कर्म करते रहें और हर परिस्थिति में धैर्य व संतुलन बनाए रखें। उन्होंने कहा कि जो व्यक्ति जीवन को खुलकर, प्रसन्नता और कृतज्ञता के साथ जीता है, वही वास्तव में जीवन के सत्य को समझ पाता है। जिसकी मस्ती जिंदा है उसकी हस्ती जिंदा है। वरना हम सब तो जबरदस्ती जिंदा है।

इस अवसर पर आर्य समाज सेक्टर-6 के प्रधान श्री अवनी भूषण पुरंग तथा मंत्री श्री प्रवीण गुप्ता की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम में श्री अरुण साहनी, रवि आर्य, किरण कपूर, सज्जन अग्रवाल, डॉ. आरती साहनी, डॉ. गीता शर्मा, गिरीश चाव, कमलेश आर्य, सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे और सभी ने श्रद्धापूर्वक दिवंगत आत्मा को नमन किया।

कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित जनों ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए सामूहिक प्रार्थना की। तत्पश्चात पूजनीय माता श्रीमती जानकी देवी की पावन स्मृति में उनके नाम से श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया, जिसमें सभी उपस्थित लोगों ने श्रद्धा और भावपूर्ण स्मरण के साथ उन्हें नमन किया तथा उनके प्रेरणादायी जीवन को स्मरण करते हुए उनके आदर्शों को अपनाने का संकल्प व्यक्त किया । उल्लेखनीय है कि जानकी देवी आर्य समाज सेक्टर 6 के संस्थापक सदस्यों से एक थी।

## बीएसपी में उच्च जोखिम प्रक्रियाओं की पहचान एवं जोखिम प्रबंधन पर प्रशिक्षण व जागरूकता कार्यक्रम

*नई दृष्टिबिंदु / भिलाई*

भिलाई इस्पात संयंत्र के मानव संसाधन विकास केंद्र में 7 मार्च को उच्च जोखिम प्रक्रियाओं की पहचान, जोखिम आकलन तथा बो-टाई विश्लेषण के माध्यम से उसके प्रबंधन विषय पर एक प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में संयंत्र के विभिन्न विभागों से लगभग 50 कार्यपालकों ने भाग लिया। यह प्रशिक्षण मुख्यतः संयंत्र के विभिन्न डीआईसी के एचएचपी-एसपीओसी (सिंगल प्वाइंट ऑफ कॉन्टैक्ट) के लिए आयोजित किया गया था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्य महाप्रबंधक ( सुरक्षा एवं अग्निशमन सेवाएं) देबदत सतपथी रहे।

इस अवसर पर तकनीकी सत्र का संचालन महाप्रबंधक एस. रमणी द्वारा किया गया। अपने प्रस्तुतीकरण में उन्होंने जोखिम आकलन एवं प्रबंधन की चार-चरणीय पद्धति पर विस्तृत जानकारी दी, जिसमें डाउ फायर एंड एक्सप्लोजन इंडेक्स के माध्यम से उच्च जोखिम प्रक्रियाओं की पहचान, एलओएच सॉफ्टवेयर के माध्यम से संभावित परिणामों का विश्लेषण, जोखिम मैट्रिक्स के माध्यम से जोखिम आकलन तथा बो-टाई विश्लेषण के माध्यम से जोखिम प्रबंधन के उपायों को विस्तार से समझाया गया। अपने संबोधन में मुख्य महाप्रबंधक (सुरक्षा एवं अग्निशमन सेवाएं) देबदत सतपथी ने संयंत्र के विभिन्न विभागों में नए बो-टाई डायग्राम तैयार करने पर विशेष बल दिया, जिससे खतरे के विश्लेषण एवं जोखिम प्रबंधन के लिए एक व्यवस्थित एवं प्रभावी प्रणाली विकसित की जा सके।

इस अवसर पर सेफ्टी इंजीनियरिंग विभाग (एसईडी) द्वारा जानकारी दी गई कि अब तक प्रमुख जोखिम परिदृश्यों के लिए कुल 73 बो-टाई डायग्राम विकसित किए जा चुके हैं, जो मुख्यतः सीओ एवं सीसीडी, ईएमडी, प्रोपेन प्लांट तथा वाटर मैनेजमेंट विभागों में लागू किए गए हैं। इस पहल को आगे बढ़ाते हुए अब इसे मिल्स, पी एंड बीएस, टी एंड डी तथा सी एंड आईटी विभागों तक विस्तारित किया जा रहा है। कार्यक्रम का समन्वय सहायक महाप्रबंधक अजय टछू एवं सेफ्टी इंजीनियरिंग विभाग द्वारा किया गया। संयंत्र के कार्मिकों के संदर्भ एवं उपयोग के लिए ये बो-टाई डायग्राम ई-सुरक्षा पोर्टल पर उपलब्ध कराए गए हैं।

# वार्ड में भ्रमण कर क्षेत्र में घूमने वाली गायों को गौ रेडियम बेल्ट पहनाई

*नई दृष्टिबिंदु / भिलाई*

समाज सेवा और गौ संरक्षण के उद्देश्य से HMGM मोदी ग्रुप के अध्यक्ष लोकेश पांडेय के मार्गदर्शन में चलाए जा रहे गौ रेडियम बेल्ट सेवा अभियान के अंतर्गत रामनगर स्थित रामजानकी मंदिर परिसर में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन नटराज गणेश उत्सव समिति एवं हनुमान जन्मोत्सव समिति की टीम के सहयोग से किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में क्षेत्र के नागरिकों ने भाग लिया।

कार्यक्रम की शुरुआत रामजानकी मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना के साथ की गई। उपस्थित सभी लोगों ने गौ माता की सेवा और संरक्षण के संकल्प के साथ भगवान से क्षेत्र की सुख-समृद्धि और शांति के लिए प्रार्थना की। इसके बाद

समिति के सदस्यों और स्थानीय नागरिकों द्वारा वार्ड में भ्रमण किया गया और क्षेत्र में घूमने वाली गायों को गौ रेडियम बेल्ट पहनाई गई। गौ रेडियम बेल्ट का मुख्य उद्देश्य रात के समय सड़कों पर चलने वाले वाहनों को गायों की मौजूदगी के बारे में पहले से सतर्क करना है।

अक्सर देखा जाता है कि रात में सड़कों पर घूमने वाली गायें दुर्घटनाओं का शिकार हो जाती हैं। रेडियम बेल्ट वाहन की रोशनी पड़ते ही चमकने लगती है, जिससे वाहन चालक दूर से ही गायों को देख सकें और सावधानी बरत सकें। इस पहल से न केवल गायों की सुरक्षा बढ़ेगी, बल्कि सड़क दुर्घटनाओं को रोकने में भी मदद मिलेगी।

इस अभियान के माध्यम से लोगों को गौ सेवा के प्रति जागरूक करने का भी प्रयास किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने बताया कि गौ माता भारतीय संस्कृति और परंपरा का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, इसलिए उनकी सेवा और सुरक्षा करना हम सभी का कर्तव्य है। समिति के सदस्यों ने कहा कि इस तरह के सेवा कार्य समाज में सकारात्मक संदेश देते हैं और लोगों को समाज हित के कार्यों में आगे आने के लिए प्रेरित करते हैं।

कार्यक्रम में क्षेत्र के सभी वर्गों की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली। इस सेवा कार्य में युवा साथियों के साथ-साथ महिलाएँ, बच्चे, बुजुर्ग और वाडर्वासी भी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ गौ सेवा के इस कार्य को सफल बनाने में अपना योगदान दिया। वार्ड के नागरिकों ने भी इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के कार्य समाज के लिए प्रेरणादायक हैं और भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए जाने चाहिए।

## मृतक के परिजन को मिली आर्थिक सहायता

**दुर्ग।** कलेक्टर अभिजीत सिंह ने दुर्घटना में मृतक के परिजन को 4-4 लाख रूपए की आर्थिक सहायता अनुदान राशि स्वीकृत की है। तितुरघाट तहसील धमधा जिला दुर्ग निवासी केजा बाई की कुएं में गिरने व पानी में डूबने से 21 फरवरी 2025 को मृत्यु हुई थी। ग्राम टेकापार जिला दुर्ग निवासी अभिषेक सोनवानी की राजा तालाब में नहाते समय गहरे पानी में डूबने से 2 मई 2024 को मृत्यु हुई थी। कलेक्टर द्वारा शासन के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन के प्रावधानों के अनुरूप स्व. श्रीमती केजा बाई के पुत्र राम कुमार सोनकर एवं स्व. अभिषेक सोनवानी की माता राजकुमारी निराले को 4-4 लाख रूपए की आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई है।

# शासकीय स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय में "महिलाओं के कानूनी अधिकार" पर हुई कार्यशाला

*नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग*

स्थानीय शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में 09 मार्च 2026 को "महिलाओं के कानूनी अधिकार" विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। यह कार्यशाला महाविद्यालय की विशाखा समिति एवं समान अवसर प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वावधान में महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. अजय कुमार सिंह के कुशल मार्गदर्शन में संपन्न हुई।

कार्यशाला का आयोजन महाविद्यालय के डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन सेमिनार हॉल में प्रातः 11:30 बजे किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती वंदना से हुई, जिसके पश्चात अतिथियों का परिचय एवं स्वागत किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि वक्ता के रूप में दुर्ग की उप पुलिस अधीक्षक श्रीमती भारती मरकाम तथा सुश्री भाग्यश्री नातू ( असिस्टेंट लीगल एड क्लिनिक काउंसिल, दुर्ग ) उपस्थित रहीं। दोनों वक्ताओं ने छात्राओं को उनके मौलिक एवं कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक करते हुए महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की।

कार्यक्रम के प्रारंभिक चरण में समान अवसर प्रकोष्ठ की संयोजक डॉ. दिव्या कुमुदिनी मिंज द्वारा अत्यंत प्रभावपूर्ण एवं प्रेरणादायी स्वागत भाषण प्रस्तुत किया गया। अपने संबोधन में उन्होंने उपस्थित मुख्य अतिथियों, प्राध्यापकगणों एवं छात्र-छात्राओं का हार्दिक स्वागत करते हुए अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के महत्व पर प्रकाश

डाला। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की कार्यशालाएं न केवल महिलाओं को उनके कानूनी अधिकारों, सुरक्षा उपायों एवं उपलब्ध न्यायिक सहायता के प्रति जागरूक करती हैं, बल्कि उनमें आत्मविश्वास, आत्मसम्मान तथा आत्मनिर्भरता की भावना को भी सुदृढ़ करती हैं।

उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि शैक्षणिक संस्थानों की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है कि वे विद्यार्थियों को केवल अकादमिक ज्ञान ही नहीं, बल्कि सामाजिक और कानूनी जागरूकता से भी सशक्त बनाएं। अपने स्वागत उद्बोधन के माध्यम से उन्होंने कार्यक्रम के उद्देश्य, उसकी प्रासंगिकता तथा छात्राओं के समग्र सशक्तिकरण में ऐसे आयोजनों की भूमिका को रेखांकित किया। साथ ही उन्होंने आशा व्यक्त की कि कार्यशाला में प्राप्त जानकारी छात्राओं को जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में सजग, आत्मविश्वासी और सशक्त नागरिक बनने के लिए प्रेरित करेगी।

इसके पश्चात महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. अजय कुमार सिंह ने अपने प्रेरक उद्बोधन में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के ऐतिहासिक महत्व को रेखांकित करते हुए विश्व की अनेक प्रेरणादायी महिलाओं की उपलब्धियों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में महिलाएं समाज के प्रत्येक क्षेत्र में सशक्त भूमिका निभा रही हैं और घर से लेकर कार्यस्थल तक उनकी सहभागिता निरंतर बढ़ रही है।

मुख्य अतिथि नगर पुलिस अधीक्षक श्रीमती भारती मरकाम ने अपने संबोधन में महिला सशक्तिकरण के व्यापक आयामों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि "सशक्तिकरण केवल महिलाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें समाज और पुरुषों की समान भागीदारी भी अत्यंत आवश्यक है।" उन्होंने महिलाओं के विरुद्ध बढ़ते अपराधों एवं साइबर अपराधों पर चिंता व्यक्त करते हुए छात्राओं को साइबर सुरक्षा के विभिन्न पहलुओं तथा सावधानियों से अवगत कराया, ताकि वे डिजिटल माध्यमों का सुरक्षित उपयोग कर सकें।

कार्यक्रम की अगली कड़ी में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग (छत्तीसगढ़) के अंतर्गत संचालित लीगल एड क्लिनिक काउंसिल सिस्टम की सहायक कानूनी सहायता रक्षा अधिवक्ता सुश्री भाग्यश्री नातू ने महिला सुरक्षा एवं अधिकारों से संबंधित विभिन्न विधिक प्रावधानों तथा न्यायालय द्वारा प्रदत्त संरक्षणात्मक कानूनों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने छात्राओं की जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए उन्हें किसी भी प्रकार की कानूनी सहायता हेतु जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के माध्यम से उपलब्ध निःशुल्क विधिक सहायता के बारे में भी अवगत कराया।

कार्यक्रम का मंच संचालन डॉ. तरलोचन कौर संधु द्वारा अत्यंत प्रभावी एवं उत्साहपूर्ण ढंग से किया गया। कार्यशाला के आयोजन में विभिन्न समितियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। योजना एवं समन्वय का दायित्व डॉ. पद्मावती, डॉ. दिव्या मिंज एवं डॉ. मर्सी जॉर्ज द्वारा निभाया गया। मंच व्यवस्था डॉ. मीना मान, डॉ. श्रीराम कुंजाम एवं डॉ. ज्योति धारकर द्वारा की गई। डॉ. राजश्री नायडू द्वारा सरस्वती वंदना प्रस्तुत की गई, जबकि अतिथियों का परिचय डॉ. एलिजाबेथ भगत एवं डॉ. उषा साहू द्वारा दिया गया। कार्यक्रम के अंत में डॉ. ज्योति धारकर ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

इस कार्यशाला में महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. जगजीत कौर सलूजा, डॉ. ए.के.खान, डॉ. अभिनेष सुरोना, डॉ.शकील हुसैन, डॉ. जी.एस. ठाकुर, डॉ. के. पद्मावती सहित विभिन्न विभागों के प्राध्यापकगण उपस्थित रहे। लगभग 100 से अधिक विद्यार्थियों ने इस कार्यशाला में सहभागिता कर लाभ प्राप्त किया। कार्यक्रम की सफलता में डॉ. निगार अहमद, डॉ. सीमा पंजवानी, डॉ. रीना ताम्रकार, डॉ. कुन्दन कुमार यादव, डॉ. दूंमन लाल सहित विशाखा समिति एवं समान अवसर प्रकोष्ठ के सभी सदस्यों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

## क्षत्रिय कल्याण सभा सेक्टर-7 में मनाया अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

**भिलाई।** क्षत्रिय कल्याण सभा सेक्टर-7 में महिला दिवस एवं होली मिलन का कार्यक्रम किया गया। जिसमें क्षत्रिय समाज की महिलाओं ने ने भाग लिया क्षत्रिय कल्याण सभा महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष सुषमा सिंह, उमा सिंह, कल्पना सिंह, रश्मि सिंह, कंचन सिंह,किरण सिंह, पूनम सिंह, गायत्री सिंह, साधना सिंह,श्वेता सिंह, ममता शाही, शशि प्रभा सिंह, वंदना सिंह, करुणा सिंह, मीनाक्षी सिंह तोमर, अरुणा सिंह, पुष्पा सिंह सरोज सिंह, संगीत सिंह,राधा सिंह सहित सैकड़ों क्षत्रिय समाज

की महिलाओं ने आयोजन में भागीदारी निभाई का कार्यक्रम में बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया।

# आवास, मनरेगा और कौशल विकास योजनाओं से महिलाएं बन रहीं आत्मनिर्भर

*नई दृष्टिबिंदु / रायपुर*

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर रायगढ़ जिले में महिलाओं के आर्थिक एवं सामाजिक सशक्तिकरण की दिशा में शासन की विभिन्न योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। प्रशासन के समन्वित प्रयासों से महिलाएं अब आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही हैं।

वित्तीय वर्ष 2025-26 में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत जिले में कुल 9,679 आवास स्वीकृत किए गए हैं, जिनमें से 2,076 आवास महिलाओं के नाम पर स्वीकृत हुए हैं। इससे महिलाओं को अपने घर का मालिकाना अधिकार



प्राप्त हुआ है, जिससे उन्हें सामाजिक सम्मान, सुरक्षा और आत्मविश्वास का नया आधार मिला है। इसी प्रकार पीएम जनमन योजना के अंतर्गत विशेष पिछड़ी जनजातियों के लिए स्वीकृत 173 आवासों में से 85 आवास महिलाओं के नाम पर स्वीकृत किए गए हैं।

मनरेगा योजना के अंतर्गत आजीविका संवर्धन के लिए जिले में 428 आजीविका डबरी स्वीकृत की गई हैं, जिनमें से 55 डबरी का निर्माण पूर्ण हो चुका है। प्रत्येक डबरी से एक महिला को जोड़ा जा रहा है, जिसके माध्यम से वे सब्जी उत्पादन, मत्स्य पालन और अन्य कृषि आधारित गतिविधियों से जुड़कर अपनी आय में वृद्धि कर रही हैं। महिलाओं के कौशल विकास के लिए जिले में प्रोजेक्ट उन्नति 2.0 के तहत प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। आरसेटी, कृषि विज्ञान केंद्र तथा डीडीयू-जीकेवाय के माध्यम से महिलाओं को राजमिस्त्री सहित



विभिन्न तकनीकी कौशलों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इन प्रशिक्षणों में महिलाओं की भागीदारी 55 प्रतिशत से अधिक है। योजनाओं के प्रभावी एकीकरण से जिले की महिलाएं अब हितग्राही से आगे बढ़कर स्वरोजगार और उद्यमिता की दिशा में सशक्त कदम बढ़ा रही हैं।

**खास खबर**

## इंजीनियरिंग सुधार और जन-जागरूकता से थमेंगे सड़क हादसे : प्रदीप कुमार

*नई दृष्टिबिंदु / रायपुर*

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के रायपुर क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा राष्ट्रीय राजमार्गों पर सफर को सुगम एवं सुरक्षित बनाने के लिए 'सड़क सुरक्षा प्रबंधन' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में सड़क सुरक्षा से जुड़े विभिन्न तकनीकी पहलुओं पर विशेषज्ञों ने विस्तृत जानकारी दी।

कार्यशाला को संबोधित करते हुए एनएचएआई के क्षेत्रीय अधिकारी प्रदीप कुमार लाल ने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्गों पर यात्रियों के लिए सुरक्षित और सुगम आवागमन सुनिश्चित करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए रोड इंजीनियरिंग में सुधार, नियमों का कड़ाई से पालन और जन-जागरूकता का समन्वय अनिवार्य है। उन्होंने सभी संबंधित एजेंसियों को आपसी तालमेल के साथ कार्य करने पर जोर दिया।

कार्यशाला के तकनीकी सत्र में सड़क सुरक्षा विशेषज्ञ विक्रम तुशिर ने जंक्शन सुधार, ब्लैक-स्पॉट की पहचान, ट्रैफिक साइन, रोड मार्किंग और सेफ्टी ऑडिट जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत प्रस्तुति दी। उन्होंने बताया कि केवल बेहतर इंजीनियरिंग और सही साइनेज के माध्यम से ही सड़क दुर्घटनाओं को 80 प्रतिशत तक कम किया जा सकता है। ब्लैक-स्पॉट्स की वैज्ञानिक तरीके से पहचान करना और वहां समयबद्ध सुधारात्मक उपाय लागू करना सबसे प्रभावी रणनीति है। उन्होंने बताया कि सड़क डिजाइन में छोटे-छोटे तकनीकी सुधार भी बड़े हादसों को रोकने में सक्षम हैं, जिससे राजमार्गों पर सुरक्षा व्यवस्था को नया आयाम दिया जा सकता है।

कायर्शाला में सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के ईई रणबीर यादव विशेष रूप से उपस्थित थे। एनएचएआई की विभिन्न परियोजना कार्यान्वयन इकाईयों के परियोजना निदेशक डीडी पार्लावर (कोरबा), मुकेश कुमार (बिलासपुर), शमशेर सिंह (अभनपुर) और दिग्विजय सिंह (रायपुर) सहित अनेक अधिकारी एवं कर्मचारी भी मौजूद थे।

# शिक्षा संस्थानों के पास नशाखोरी पर निगम का कड़ा प्रहार : दुकानों पर छापामार कार्रवाई

*नई दृष्टिबिंदु / रायपुर*





रायपुर पुलिस कमिश्नर डॉ. संजीव शुक्ला और रायपुर जिला कलेक्टर डॉ गौरव कुमार सिंह के आदेशानुसार और रायपुर नगर पालिक निगम आयुक्त विश्वदीप के निर्देशानुसार रायपुर नगर निगम मुख्यालय नगर निवेश विभाग उड़न दस्ता द्वारा रायपुर नगर निगम जोन क्रमांक-4 के क्षेत्र के अंतर्गत छत्तीसगढ़ कॉलेज, संत कंवरराम स्कूल, हिन्दू हाई स्कूल आदि भिन्न शिक्षण संस्थाओं के आसपास संचालित पान दुकानों का औचक निरीक्षण कर सम्बंधित पान दुकान संचालकों के पास से दुकान में विक्रय हेतु रखे गए गुटखा, तम्बाकू, सिगरेट, पान मसाला आदि नशे से सम्बंधित वस्तुओं के अनेक पाउच पैकेटस को स्थल पर तत्काल जप्त करने की कार्यवाही की।

शासन के कोटपा एक्ट के प्रावधान अनुसार नगर निगम जोन 4 नगर निवेश विभाग की टीम और निगम मुख्यालय नगर निवेश विभाग उड़न दस्ता की टीम द्वारा मिलकर की गयी और कोटपा एक्ट प्रावधान के अनुसार सम्बंधित पान दुकान संचालकों को भविष्य के लिए नियमानुसार कड़ी कार्यवाही की और चेतावनी दी। नगर निगम जोन 4 जोन कमिश्नर डॉ. दिव्या चंद्रवंशी के मार्गनिर्देशन और कार्यपालन अभियंता शेखर सिंह और सहायक अभियंता दीपक देवांगन, गुलाबचंद कर्ष एवं अन्य सम्बंधित अधिकारियों और कर्मचारियों की उपस्थिति रहे।

उन्होंने दोबारा अगर स्कूलों के आसपास नशे की वस्तुओं को विक्रय किये जाने पर शासन के कोटपा एक्ट के प्रावधान अनुसार नियमानुसार कड़ी कार्यवाही करने की स्पष्ट चेतावनी स्कूलों के आसपास लगाए जा रहे समस्त पान ठेलों के सम्बंधित संचालकों को कड़ी सम-ाइश दी गयी है।

### अवैध प्लाटिंग पर निगम का 'डबल स्ट्राइक'

रायपुर नगर पालिक निगम के आयुक्त विश्वदीप के आदेशानुसार और नगर निगम जोन 6 जोन कमिश्नर श्री हितेन्द्र यादव के निर्देशानुसार नगर निगम जोन 6 नगर निवेश विभाग द्वारा नगर निगम जोन क्रमांक 6 क्षेत्र के अंतर्गत चंद्रशेखर आजाद वार्ड क्रमांक 60 के क्षेत्र के अंतर्गत मानसपुरम रोड के पास लगभग 1 एकड़ निजी भूमि और चौरसिया कॉलोनी में नवरंग पब्लिक स्कूल के पास लगभग 3 .25 एकड़ निजी भूमि क्षेत्र में अज्ञात व्यक्तियों द्वारा की जा रही अवैध प्लाटिंग पर सम्बंधित दोनों स्थानों पर पहुंचकर कार्यपालन अभियंता दिनेश सिन्हा, सहायक अभियंता पुकेश कुमार साहू, उप अभियंता अंकुर अग्रवाल एवं अन्य अधिकारियो और कर्मचारियों की उपस्थिति में वहाँ निर्मित अवैध मुरूम रोड को जेसीबी मशीन की सहायता से काटकर और वहाँ का आवागमन अवरुद्ध करते हुए सम्बंधित विभिन्न दोनों स्थानों पर चंद्रशेखर आजाद वार्ड क्रमांक 60 के क्षेत्र में स्थल पर तत्काल कारगर रोक लगायी गयी।

## स्व सहायता समूह से जुड़कर कांसाबेल की महिलाओं ने पकड़ी स्वरोजगार की राह

*नई दृष्टिबिंदु / रायपुर*

पारंपरिक कौशल, जैसे मिट्टी के बर्तन, कढ़ाई और लकड़ी का काम, स्थानीय सामग्रियों का उपयोग कर पर्यावरण-अनुकूल उत्पादों के माध्यम से न केवल रोजगार प्रदान करता है, बल्कि सांस्कृतिक विरासत को भी संरक्षित करता है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन झ्र बिहान योजना के तहत जशपुर जिले की ग्रामीण महिलाएं आत्मनिर्भरता की मिसाल गढ़ रही हैं। कांसाबेल विकासखंड के ग्राम सेम्हर कछार की हरियाली स्व-सहायता समूह की 11 महिलाओं ने छिंद कासा से आकर्षक टोकरी और अन्य पारंपरिक हस्तशिल्प उत्पाद तैयार कर अपनी आजीविका को मजबूत किया है।

समूह की सदस्य श्रीमती बालमुनि भगत ने बताया कि बिहान योजना से जुड़ने के बाद उन्हें स्वरोजगार का अवसर मिला। पहले महिलाएं केवल घरेलू कामकाज तक सीमित थीं, लेकिन अब वे अच्छी कमाई कर रही हैं। यह कार्य महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के साथ-साथ आत्मविश्वास भी दे रहा है। उन्होंने बताया कि यह न केवल एक व्यवसाय है, बल्कि यह परंपराओं, कौशल और सांस्कृतिक विरासत को एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक पहुँचाता है।

महिलाओं ने बताया कि बिहान योजना ने उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया है। समूह के माध्यम से प्रशिक्षण, सहयोग और विपणन सुविधा मिलने से उनका उत्पाद अब स्थानीय हाट-बाजार और मेलों में लोकप्रिय हो चुका है। महिलाएं कहती हैं कि अब वे सिर्फ घर तक सीमित नहीं रहीं, बल्कि अपनी पहचान खुद बना रही हैं।

समूह की दीदियों ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और जिला प्रशासन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि शासन की योजनाओं से हम सशक्त और आत्मनिर्भर हो रहे हैं। हम महिलाओं के लिए हस्तशिल्प उत्पाद आय का मुख्य जरिया है, जो लाखों लोगों को, विशेषकर महिलाओं को आत्मनिर्भर बना रहा है।

## वैभवी की यूपीएससी परीक्षा में सफलता युवाओं के लिए सफल होने प्रेरणा शक्ति का कार्य करेगी- महापौर

*नई दृष्टिबिंदु / रायपुर*

राजधानी शहर की प्रथम नागरिक नगर पालिक निगम रायपुर की महापौर श्रीमती मीनल चौबे, रायपुर उत्तर विधायक पुरंदर मिश्रा, रायपुर लोकसभा सांसद प्रतिनिधि विजय अग्रवाल ने शहर के ऑक्सीजोन उद्यान परिसर में यूपीएससी परीक्षा 2025 में सफलता अर्जित करने वाली सुश्री वैभवी अग्रवाल का रायपुर वेलफेयर फाउंडेशन सोसायटी के आयोजन में सम्मानित किया।

रायपुर वेलफेयर फाउंडेशन सोसायटी के अध्यक्ष रमेश कुमार अग्रवाल और सचिव केके अग्रवाल ने जानकारी दी कि रायपुर वेलफेयर फाउंडेशन सोसायटी द्वारा विगत 4 वर्षों से प्रत्येक मंगलवार और शनिवार को सुबह ऑक्सीजोन उद्यान



परिसर स्थित उद्यान में श्री हनुमानजी के मन्दिर में सुन्दर कांड पाठ किया जा रहा है।

रायपुर महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने यूपीएससी परीक्षा 2025 में सफलता प्राप्त करने पर रायपुर निवासी सुश्री वैभवी अग्रवाल को सम्मानित कर उनकी सफलता को सराहा कि सफल होकर उन्होंने अपने माता-पिता, अभिभावकों सहित रायपुर शहर, जिला सहित सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ राज्य का गौरववान्वित किया है। महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने विश्वास व्यक्त किया कि सुश्री वैभवी अग्रवाल की यूपीएससी परीक्षा 2025 में सफलता रायपुर शहर, जिला और छत्तीसगढ़ राज्य के निवासी युवाओं के लिए आने वाले समय में सफल होने प्रेरणाशक्ति बनेगी और रायपुर शहर, जिला और छत्तीसगढ़ राज्य के निवासी युवा प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल होने अतिरिक्त मेहनत की पराकाष्ठा करके उसमें सफलता अवश्य प्राप्त कर सकेंगे।

# राज्यपाल डेका ने संत शदाराम साहिब भाषा भवन का किया शिलान्यास

*नई दृष्टिबिंदु / रायपुर*

राज्यपाल रमेन डेका ने बुधवार को संत शदाराम साहिब भाषा भवन का शिलान्यास किया। इस दौरान उन्होंने पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय अंतर्गत इनोवेशन एवं इन्क्यूबेशन सेंटर के तहत आयोजित आइडियाथॉन का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि अपनी भावनाओं, दुख और खुशी को व्यक्त करने का सबसे सरल और सशक्त माध्यम हमारी मातृभाषा होती है। उन्होंने मातृभाषा की समृद्धि और विकास पर बल देते हुए कहा कि मातृभाषा से हम सब का आत्मीय जुड़ाव होता है। किसी अनजान जगह पर जब हम किसी मातृभाषी से मिलते है तो उनसे तुरंत एक स्नेह के बंधन मे बंध जाते हैं।

हमारा देश अपनी समृद्ध संस्कृति और विविध भाषाओं के लिए जाना जाता है। हमारा देश बहुभाषी होते हुए भी आपस में एकता के सूत्र में बंधा हुआ है। इसमें संस्कृत भाषा का महत्वपूर्ण योगदान है। हमारी प्राचीनतम भाषा संस्कृत है। अगर बारीकी से अध्ययन किया जाए तो आप





देखेंगे कि संस्कृत भाषा शब्द सभी भारतीय भाषाओं-हिन्दी, तमिल, तेलूगु, बंगाली, असमिया आदि में सम्मिलित है। हमारी सांस्कृतिक विविधता ही हमारी सबसे बड़ी विशेषता है।

डेका ने कहा कि संत शदाराम साहिब भाषा भवन का शिलान्यास करते समय उन्हें प्रसन्नता हो रही है, सिंधी भाषा संवर्धन की दिशा में यह उल्लेखनीय कदम है। पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय में सिंधी भाषा में एक वर्ष का डिप्लोमा एवं स्नातकोत्तर (एम.ए.) पाठ्यक्रम संचालित हो रहे हैं, जो भाषा को जीवित रखने की दिशा में सराहनीय प्रयास है। उन्होंने कहा कि भारत में अनेक भाषाएं एवं बोलियां बोली जाती है। इनमें से एक सिंधी भाषा है, जिसमें साहित्य और संस्कृति निरंतर प्रवाहमान है। उन्होंने कहा कि विभाजन के बाद सिंधी समाज के लोग भारत देश का हिस्सा बनकर रह रहे है, सिंधी समाज के लोगों ने अपनी मेहनत के दम पर आज संपन्नता हासिल की और समाज ने देश के निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि भारतीय भाषाओं का इतिहास अत्यंत प्राचीन एवं समृद्ध रहा है। भारतीय भाषाएं हमारी सांस्कृतिक अस्मिता हैं। राष्ट्रीय एकता को सुदृढ़ करने में इनकी महत्वपूर्ण भूमिका है। सभी भाषाएं मिलकर सांस्कृतिक सम्पन्नता को अभिव्यक्त करती हैं। इनका संरक्षण एवं संवर्धन करना हमारा कर्तव्य है। हमें मातृभाषाओं तथा भारतीय भाषाओं का सम्मान करना चाहिए। इनका प्रचार-प्रसार करना चाहिए। आधुनिक तकनीकी से जोड़ने का प्रयास भी आवश्यक है, जिससे आने वाली पीढ़ियों तक इन भाषाओं में समाहित ज्ञान-विज्ञान, इतिहास-विरासत, साहित्य एवं कला-संस्कृति आदि को सहज रूप में हस्तांतरित किया जा सके ।

इस अवसर पर शदाणी दरबार के पीठाधीश संत युधीष्ठिर लाल महाराज, राष्ट्रीय सिंधी भाषा विकास परिषद नई दिल्ली से प्रोफेसर सुनील बाबूराव कुलकर्णी, विधायक पुरंदर मिश्रा, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविधालय के कुलपति प्रोफेसर सच्चिदानंद शुक्ला और कुलसचिव डॉ. शैलेन्द्र कुमार पटेल सहित विश्वविद्यालय के प्राध्यापकगण एवं छात्र-छात्राएं और सिंधी समाज के पदाधिकारी उपस्थित थे।

# छत्तीसगढ़ की पुरातत्त्वीय धरोहरों के संरक्षण को मिला नया संबल

### 21 जिलों से आए जिला पुरातत्त्व संघों के प्रतिनिधियों ने रीवांगढ़ उत्खनन स्थल और पुरखौती मुक्तांगन का किया भ्रमण

*नई दृष्टिबिंदु / रायपुर*

प्रदेश की समृद्ध पुरातत्त्वीय और ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण, संवर्धन तथा उनके प्रति जनभागीदारी को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से जिला पुरातत्त्वीय संघों के निर्माण एवं कार्यविधियां विषय पर आयोजित तीन दिवसीय कार्यशाला का सोमवार को सफलतापूर्वक समापन हुआ। 07 से 09 मार्च तक आयोजित इस कार्यशाला में छत्तीसगढ़ के 21 जिलों से आए जिला पुरातत्त्व संघों के प्रतिनिधियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और पुरातत्त्वीय धरोहरों के संरक्षण से जुड़ी विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से जानकारी प्राप्त की।

कार्यशाला के अंतिम दिन प्रतिभागियों को नव उत्खनित पुरास्थल रीवांगढ़ व पुरखौती मुक्तांगन संग्रहालय का परिभ्रमण कराया गया। इस दौरान विशेषज्ञों द्वारा उन्हें प्राचीन स्थलों की पहचान, उत्खनन की प्रक्रिया, प्राप्त पुरावशेषों के संरक्षण और उनके वैज्ञानिक प्रबंधन के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। प्रतिभागियों ने इन स्थलों का अवलोकन कर प्रदेश की समृद्ध ऐतिहासिक विरासत के महत्व को निकट से समझा।

समापन अवसर पर पुरखौती मुक्तांगन संग्रहालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम में विभिन्न जिलों से आए प्रतिनिधियों ने अपने



अनुभव साझा किए। प्रतिभागियों ने कहा कि इस प्रकार की कार्यशालाएँ पुरातत्त्वीय धरोहरों के संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने और स्थानीय स्तर पर जनसहभागिता सुनिश्चित करने के लिए अत्यंत उपयोगी हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि ऐसे प्रशिक्षण और जागरूकता कार्यक्रम भविष्य में संभाग स्तर पर भी आयोजित किए जाने चाहिए, ताकि अधिक से अधिक लोग अपनी स्थानीय ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण के लिए प्रेरित हो सकें।

संस्कृति विभाग के संचालक विवेक आचार्य ने कहा कि यह कार्यशाला प्रदेश की पुरातत्त्वीय धरोहरों के संरक्षण और संवर्धन की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ में अनेक ऐसे प्राचीन स्थल, स्मारक और पुरावशेष मौजूद हैं, जो राज्य के गौरवशाली इतिहास और सांस्कृतिक परंपराओं के साक्षी हैं। इन धरोहरों की पहचान, संरक्षण और उनके महत्व के प्रति समाज को जागरूक करना अत्यंत आवश्यक है। जिला पुरातत्त्वीय संघों के माध्यम से स्थानीय स्तर पर लोगों को जोड़कर इन धरोहरों की सुरक्षा और संरक्षण सुनिश्चित करने का प्रयास किया जा रहा है।

उन्होंने यह भी कहा कि जब स्थानीय समुदाय अपनी ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहरों के महत्व को समझता है, तब उनके संरक्षण का कार्य और अधिक प्रभावी हो जाता है। इसी उद्देश्य से इस कायर्शाला के माध्यम से जिला पुरातत्त्व संघों के प्रतिनिधियों को आवश्यक प्रशिक्षण और मार्गदर्शन प्रदान किया गया है, जिससे वे अपने-अपने क्षेत्रों में पुरातत्त्वीय स्थलों की पहचान और संरक्षण के कार्य में सक्रिय भूमिका निभा सकें।

समापन कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित पद्मश्री डॉ. अजय मंडावी तथा आयोजन के प्रभारी डॉ. पीसी पारख ने प्रतिभागियों को सहभागिता प्रमाणपत्र प्रदान किए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत अत्यंत समृद्ध है और इसके संरक्षण में समाज की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। इस प्रकार के आयोजन न केवल ज्ञानवर्धन करते हैं, बल्कि लोगों को अपनी धरोहरों के प्रति जिम्मेदारी का बोध भी कराते हैं। कार्यक्रम का संचालन पुरातत्त्ववेत्ता प्रभात कुमार सिंह द्वारा किया गया। इस अवसर पर डॉ. वृषोत्तम साहू, प्रवीन तिर्की, डॉ. राजीव मिंज, विष्णु नेताम, समीर टह्लू, मुकेश जोशी, अमर भरतद्वाज, नूतन एक्का तथा अरुण निर्मलकर सहित विभागीय अधिकारी और कमर्चारी उपस्थित थे।

तीन दिवसीय इस कार्यशाला के माध्यम से प्रतिभागियों को पुरातत्त्वीय धरोहरों के संरक्षण, प्रबंधन, उत्खनन कार्यों की प्रक्रिया, संग्रहालयों के संचालन तथा जनसहभागिता को बढ़ावा देने की कार्यप्रणाली के बारे में व्यावहारिक और उपयोगी जानकारी प्राप्त हुई। इससे न केवल प्रदेश में पुरातत्त्वीय धरोहरों के संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ेगी, बल्कि स्थानीय स्तर पर इनके संरक्षण और संवर्धन के लिए एक सशक्त जनआंदोलन को भी बढ़ावा मिलेगा।

## जोन क्र.-1 अध्यक्ष ने ली पाषर्दो और अधिकारियों की अहम बैठक ; वार्डो की सफाई व मूलभूत सुविधाओं पर दिए कड़े निर्देश



*नई दृष्टिबिंदु / रायपुर*

रायपुर नगर पालिक निगम जोन 1 कार्यालय में जोन 1 जोन अध्यक्ष गज्जू साहू ने एमआईसी सदस्य नंदकिशोर साहू, जोन 1 जोन कमिश्नर अंशुल शर्मा सीनियर सहित पार्षद डॉ. मनमोहन मनहरे, राजेश कुमार देवांगन, श्रीमती परमिला बल्लाराम साहू, श्रीमती अम्बिका साहू और कार्यपालन अभियंता द्रोनी कुमार पैकरा, सहायक अभियंता शरद देशमुख, अन्य सम्बंधित जोन 1 अधिकारियों की उपस्थिति में जोन 1 क्षेत्र के वार्डो में प्रगतिरत विकास और निर्माण कार्यो, राजस्व वसूली, गर्मी में वार्डो में पेयजल व्यवस्था, वार्डो की सफाई व्यवस्था, राष्ट्रीय स्वच्छता सर्वेक्षण अभियान 2025-26 अंतर्गत रायपुर शहर को बेहतर स्वच्छ रैंकिंग दिलवाने कार्य, स्ट्रीट लाईट प्रबंधन और प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत मकानों के निर्माण को प्रारम्भ करने की मोर जमीन मोर मकान घटक अंतर्गत भवन अनुज्ञा स्वीकृति सहित अन्य विविध विषयों को लेकर जानकारी प्राप्त की।

पाषर्दो से सुझाव लेकर आवश्यक निर्देश जोन कमिश्नर एवं अन्य सम्बंधित जोन अधिकारियों को दिए। साथ ही जोन 1 जोन अध्यक्ष गज्जू साहू ने जोन 1 जोन कमिश्नर अंशुल शर्मा सीनियर को रायपुर नगर निगम के हित को सवीपरि रखते हुए नगर निगम राजस्व विभाग द्वारा जोन 1 राजस्व विभाग को वर्ष 2025-25 हेतु दिए गए निर्धारित लक्ष्य अनुसार शत-प्रतिशत राजस्व वसूली किया जाना हर हाल में 31 मार्च 2026 तक सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

## संपादकीय

# जो सत्ता में नहीं वह दिखावा ही करता है

**राजनीति में कई बार राजनीतिक दल खुद तो कुछ कर नहीं पाते हैं ऐसे में उनके सामने दिखावा करने के अलावा कोई चारा नहीं बचता है। इसलिए वह जब भी मौका मिलता है तो किसी वर्ग विशेष का हितैषी होने का दिखावा करते हैं। उनके आचार विचार से ही जनता को यह पता चल जाता है कि उसका हितैषी कौन है और कौन हितैषी होने का दिखावा कर रहा है।छत्तीसगढ़ में राजनीतिक दलों के बीच आए दिन होड़ लगी रहती है यह दिखाने की कि किसान हितैषी कौन है। जिसको जहां मौका मिलता है, वह यह बताने व दिखाने का प्रयास करता है कि हमसे बड़ा किसान हितैषी कोई नहीं है, हम सत्ता में रहे या न रहें हम किसान हितैषी है और हम ही किसान हित में काम करते रहे हैं।**

विधानसभा का सत्र हो तो कांग्रेस को मौका मिलता है खुद को किसान हितैषी और सरकार को किसान विरोधी साबित करने का लेकिन वह सत्ता में नहीं है इसलिए वह किसानों के हित में कुछ कर तो नहीं सकती इसलिए वह बातों के जरिए खुद को किसान हितैषी होने का दिखावा करती है।धान खरीदी के दौरान उसने किसानों के हित में ऐसा कुछ नहीं किया जिससे किसानों को धान बेचने में आसानी हो, जिन किसानों का धान टोकन कटने के बाद भी नहीं बिका ऐसा कुछ नहीं किया कि उन किसानों को धान बिक जाता। ऐसा नहीं है कि कांग्रेस को मालूम नहीं था कि राज्य के हजारों किसान तय समय पर अपना धान नहीं बेच सके हैं,मालूम था लेकिन उसने ऐसा कुछ तो किया नहीं जिससे हजारों किसान जिनका टोकन कट चुका था वह अपना धान आसानी से बेच पाते।

वह खाली सरकार से मांग करती रही कि धान खरीदी का समय बढ़ाया जाए।सरकार हर साल जो किसान तय समय में धान नहीं बेच पाते हैं, उनके लिए कुछ दिन बढ़ाती रही है,इस बार भी सरकार ने दो दिन धान खरीदी का समय बढ़ाया था ताकि जो किसान धान नहीं बेच सके हैं,वह अपना धान दो दिन में बेच सकें। इसके बाद भी यदि किसान अपना धान नहीं बेच सके हैं तो इसके लिए सरकार कहां दोषी है। विधानसभा म्ं विधायक लखेश्वर बघेल ने धान खरीदी का मुद्दा उठाते हुए कहा कि बस्तर संभाग के 44612 किसान धान नहीं बेच पाए।जवाब में खाद्य मंत्री दयालदास बघेल ने वही कहा जो हर सरकार का खाद्य मंत्री कहता कि जितने किसान सोसायटी धान बेचने आए उनका धान खरीदा गया है। यही भाजपा सरकार हो या कांग्रेस सरकार हो यही प्रक्रिया है और ऐसा होता है।

पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने अपने सवाल के जरिए यह जताने की कोशिश की साय सरकार के समय पंजीकृत व ऋणी किसानों का धान भी नहीं खरीदा गया है। इस पर मंत्री ने साफ कर दिया कि पंजीकृत किसान व ऋणी किसानों का धान तो पूर्व सरकार के समय भी शतप्रतिशत नहीं खरीदा गया था। यह सच भी है क्योंकि जितने किसान पंजीयन कराते है,सबका धान तो कोई भी सरकार हो खरीदा नही जाता है। इसी तरह सभी ऋणी किसानों का धान भी खरीदा नहीं जाता है क्योंकि वह सोसायटी बेचने ही नहीं आ पाते हैं। पंजीकृत व ऋणी किसान होने या टोकन कट जाने का मतलब यह तो होता नहीं है कि उसका धान सरकार अनिवार्य रूप से खरीदेगी,वह सोसायटी आएगा तो ही सरकार धान खरीदेगी।

कवासी लखमा ने अपने सवाल के जरिए खुद को बड़ा किसान हितैषी बताने का प्रयास करते हुए कहा कि पंजीयन व टोकन कटने के बाद भी किसानों का धान नहीं खरीदा गया।ऐसे किसानों का अब क्या होगा, उनका कर्ज कौन पटाएगा। उन्होंने सरकार से मांग की कि सरकार ऋणी किसानो का धान खरीदे या उनका कर्ज माफ करे। यह कांग्रेस का किसान हितैषी करने का दिखावा था क्योंकि वह जब सरकार में थी तो उसने तो ऐसा किया नहीं था कि ऋणी किसानों का धान अलग से खरीदा हो, या ऐसा नहीं करने पर उसने ऋणी किसानों का कर्जा माफ किया था।उसने अपने समय में खुद ऐसा नहीं किया और खुद को किसान हितैषी बताने के लिए साय सरकार को ऐसा करने को कह रही है। कांग्रेस सरकार के समय भी जो किसान सोसायटी आते थे उनका धान खरीदा जाता था और साय सरकार के समय भी यही किया गया है तो इसके लिए कांग्रेस साय सरकार की आलोचना कैसे कर सकती है कैसे कह सकती है कि उसने सब किसानों का धान नहीं खरीदा।

### सू- दोकू क्र.339

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | 2 | | 6 | | 8 | | 3 | |
| 9 | | 8 | | 3 | | 4 | | |
| | | | | | | | 5 | |
| 5 | | 2 | | | 7 | | 6 | |
| | 8 | | 4 | | | 1 | | 3 |
| | | | | 9 | | | | |
| 8 | | | 9 | | | | 1 | |
| | 5 | | | 1 | | 6 | | 2 |
| | | 1 | 7 | | | | 4 | |

**नियम**

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

### सू-दोकू क्र.338 का हल

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 2 | 6 | 3 | 8 | 1 | 4 | 9 | 7 | 5 |
| 9 | 5 | 4 | 2 | 6 | 7 | 3 | 1 | 8 |
| 8 | 7 | 1 | 9 | 3 | 5 | | 6 | 2 |
| 6 | 2 | 7 | 5 | 4 | 8 | 4 | 3 | 9 |
| 3 | 9 | 8 | 6 | 7 | 1 | 2 | 5 | 4 |
| 4 | 1 | 5 | 3 | 2 | 9 | 6 | 8 | 7 |
| 5 | 3 | 2 | 4 | 8 | 6 | 7 | 9 | 1 |
| 1 | 8 | 6 | 7 | 9 | 2 | 5 | 4 | 3 |
| 7 | 4 | 9 | 1 | 5 | 3 | 8 | 2 | 6 |

# नारी शक्ति का नया युग और वास्तविक चुनौतियां

*ललित गर्ग*

**मानव सभ्यता के विकास की कथा में यदि किसी शक्ति ने सबसे अधिक सृजन किया है, तो वह नारी शक्ति है। वह जीवन की जननी है, संस्कृति की वाहक है और समाज की संवेदनशील आत्मा है। भारतीय परंपरा ने नारी को केवल एक सामाजिक भूमिका तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उसे 'माता' के रूप में सवोच्च आदर दिया। 'मातृदेवो भव:' की वाणी से लेकर 'जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी' की घोषणा तक हमारी संस्कृति में नारी के प्रति श्रद्धा का अद्वितीय भाव दिखाई देता है। यही कारण है कि भारत में धरती, गौ और मातृभूमि तक को 'माता' कहकर संबोधित किया गया। किन्तु विडम्बना यह है कि जिस समाज ने नारी को देवी का दर्जा दिया, उसी समाज में आज भी नारी असुरक्षा, भेदभाव और हिंसा का सामना कर रही है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 2026 हमें केवल उत्सव मनाने का अवसर नहीं देता, बल्कि यह अवसर देता है कि हम नारी की वास्तविक स्थिति का गंभीर आत्ममंथन करें।**



विश्व स्तर पर किए गए अध्ययनों से यह स्पष्ट होता है कि नारी की स्थिति में प्रगति अवश्य हुई है, किन्तु समानता, सुरक्षा एवं स्वतंत्रता की यात्रा अभी लंबी है।

विश्व आर्थिक मंच की ग्लोबल जेंडर गैप रिपोर्ट 2025 के अनुसार विश्व में लैंगिक समानता का लगभग 68.8 प्रतिशत अंतर ही समाप्त हो पाया है, अर्थात अभी भी लगभग एक तिहाई अंतर शेष है। आर्थिक भागीदारी के क्षेत्र में यह अंतर सबसे अधिक है, जहाँ समानता केवल लगभग 61 प्रतिशत तक ही पहुँची है। वर्ल्ड इकनोमिक फोरम कि स्थिति बताती है कि शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में तो महिलाएँ लगभग बराबरी के स्तर तक पहुँच गई हैं, परंतु आर्थिक अवसरों और राजनीतिक नेतृत्व में अभी भी उनकी भागीदारी सीमित है। वैश्विक स्तर पर महिलाएँ कुल कार्यबल का लगभग 42 प्रतिशत ही हैं और शीर्ष प्रबंधकीय पदों पर उनकी हिस्सेदारी लगभग एक-तिहाई के आसपास है। भारत में भी स्थिति मिश्रित है। एक ओर भारतीय महिलाएँ अंतरिक्ष, विज्ञान, सेना, राजनीति और प्रशासन में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ प्राप्त कर रही हैं, वहीं दूसरी ओर श्रम बाजार में उनकी भागीदारी अभी भी कम है। हाल के आँकड़ों के अनुसार भारत में महिला श्रम भागीदारी दर लगभग 32 प्रतिशत है और बड़ी संख्या में महिलाएँ घरेलू दायित्वों के कारण रोजगार से बाहर रहती हैं। बिजनेस स्टैंडर्ड के यह आँकड़े केवल संख्या नहीं हैं, यह समाज की संरचना, सोच और अवसरों की असमानता को उजागर करते हैं। आज दुनिया के अनेक देशों में महिलाएँ राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, वैज्ञानिक, सैन्य अधिकारी और उद्योगपति के रूप में नेतृत्व कर रही हैं। भारत में भी राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री, वैज्ञानिक और फाइटर पायलट के रूप में महिलाओं की उपस्थिति इस परिवर्तन का प्रमाण बनी है और बन रही है। किंतु इसके साथ यह भी सत्य है कि दुनिया में अभी भी केवल सीमित देशों में ही महिलाएँ सवोच्च राजनीतिक पदों पर हैं और समान वेतन का प्रश्न अभी भी अधूरा है। कई अंतरराष्ट्रीय अध्ययनों के अनुसार महिलाओं को समान कार्य के लिए पुरुषों की तुलना में औसतन कम वेतन मिलता है। एक और चिंताजनक तथ्य यह है कि संघर्ष, युद्ध और संकट की स्थितियों का सबसे अधिक दुष्प्रभाव महिलाओं पर पड़ता है। हाल के वैश्विक अध्ययनों के अनुसार 2024 में लगभग 67 करोड़ महिलाएँ ऐसे क्षेत्रों में रह रही थीं जो किसी न किसी प्रकार के हिंसक संघर्ष से प्रभावित थे।

नये युग की समस्याएं जैसे जलवायु परिवर्तन, युद्ध, आतंकवाद, गरीबी और डिजिटल असमानता भी महिलाओं के लिए नई चुनौतियाँ खड़ी कर रही हैं। यदि इन समस्याओं पर समय रहते ध्यान नहीं दिया गया तो आने वाले दशकों में करोड़ों महिलाएँ और लड़कियाँ अत्यधिक गरीबी की ओर धकेली जा सकती हैं। इतिहास के पन्ने यह भी बताते हैं कि जब-जब समाज संकट में पड़ा, तब-तब नारी शक्ति ने असाधारण साहस का परिचय दिया। स्वतंत्रता संग्राम में रानी चेनम्मा, बेगम हजरत महल, रानी अवन्तीबाई, सरोजिनी नायडू और दुर्गा भाभी जैसी वीरांगनाओं ने यह सिद्ध किया कि नारी केवल करुणा की प्रतिमा नहीं, बल्कि संघर्ष और साहस की भी प्रतीक है। लेकिन इतिहास के इन गौरवपूर्ण अध्यायों के बावजूद सामाजिक वास्तविकता कई बार पीड़ादायक दिखाई देती है। दहेज, भ्रूण हत्या, घरेलू हिंसा, मानव तस्करी और यौन अपराध आज भी दुनिया के अनेक समाजों में मौजूद हैं। यह केवल कानून का नहीं, बल्कि सामाजिक मानसिकता का प्रश्न है। दरअसल नारी समस्या का मूल कारण केवल बाहरी संरचनाएँ नहीं हैं, बल्कि वह सोच है जिसने सदियों तक नारी को ह्यकमजोरह्ण मानकर उसकी क्षमता को सीमित करने का प्रयास किया।

जब समाज नारी को केवल भूमिका से जोड़ता है, व्यक्ति के रूप में नहीं देखता, तभी असमानता जन्म लेती है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 2026 का वैश्विक संदेश भी इसी दिशा में संकेत करता है- "सभी महिलाओं और लड़कियों के लिए अधिकार, न्याय और वास्तविक कार्रवाई।" यह संदेश हमें याद दिलाता है कि आज भी दुनिया में महिलाओं को पुरुषों के समान कानूनी अधिकार पूरी तरह प्राप्त नहीं हैं और औसतन उन्हें पुरुषों के मुकाबले लगभग 64 प्रतिशत ही कानूनी अधिकार प्राप्त हैं। संयुक्त राष्ट्रसंघ कि यह स्थिति हमें सोचने के लिए बाध्य करती है कि केवल कानून बनाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उन कानूनों को सामाजिक चेतना में बदलना भी आवश्यक है। नारी सशक्तिकरण का वास्तविक अर्थ केवल अधिकार देना नहीं है, बल्कि अवसर, सम्मान और निर्णय लेने की स्वतंत्रता देना है। शिक्षा, स्वास्थ्य, डिजिटल साक्षरता, आर्थिक स्वावलंबन और राजनीतिक भागीदारी, ये पाँच स्तंभ नारी सशक्तिकरण की वास्तविक नींव हैं। परंतु इस परिवर्तन की शुरुआत घर से ही होगी। यदि परिवार में बेटी और बेटे को समान अवसर मिलते हैं, यदि शिक्षा में भेदभाव समाप्त होता है, यदि विवाह और दहेज जैसी कुप्रथाओं को समाज स्वयं अस्वीकार करता है, तभी नारी की वास्तविक मुक्ति संभव है।

महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उल्लेखनीय कदम उठाये हैं। चाहे उज्ज्वला योजना के द्वारा उन्हें गैस सिलिंडर दिलाना हो, गावों में घरों और शौचालय का निर्माण हो या नारी शक्ति वंदन अधिनियम को संसद में पास कराना। आज दुनिया के सभी देश इस बात को मान रहे है की मोदी के नेतृत्व में भारत की महिलाएं बहुत आगे बढ़ रही है। खेल जगत से लेकर मनोरंजन जगत तक और राजनीति से लेकर सैन्य व रक्षा तक में महिलाएं बड़ी भूमिका में हैं। बात भारतीय या अभारतीय नारी की नहीं, बल्कि उसके प्रति दृष्टिकोण की है। आवश्यकता इस दृष्टिकोण को बदलने की है, जरूरत सम्पूर्ण विश्व में नारी के प्रति उपेक्षा एवं प्रताड़ना को समाप्त करने की है। इस दिवस की सार्थकता तभी है जब महिलाओं को विकास में सहभागी ही न बनाये बल्कि उनके अस्तित्व एवं अस्मिता को नौंचने की वीभत्सताओं एवं त्रासदियों पर विराम लगे, ऐसा वातावरण बनाये।

नारी को भी अपने भीतर की शक्ति को पहचानना होगा। इतिहास गवाह है कि जब नारी ने अपने आत्मबल को पहचाना है, तब समाज की दिशा बदल गई है। शिक्षा और आत्मविश्वास नारी के लिए वही भूमिका निभाते हैं जो प्रकाश अंधकार के लिए करता है। आज की नारी केवल अधिकारों की मांग करने वाली नहीं, बल्कि परिवर्तन की निर्माता है। वह विज्ञान में शोध कर रही है, आकाश में विमान उड़ा रही है, संसद में कानून बना रही है, और समाज में नेतृत्व कर रही है। फिर भी हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि नारी सम्मान का प्रश्न केवल महिलाओं का नहीं, बल्कि पूरे समाज की सभ्यता का प्रश्न है। जिस समाज में नारी सुरक्षित, सम्मानित और आत्मनिर्भर होती है, वही समाज वास्तव में विकसित और मानवीय कहलाता है। इसलिए अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस का वास्तविक संदेश यही है कि नारी को सम्मान देने का कार्य केवल एक दिन का उत्सव नहीं, बल्कि पूरे वर्ष की सामाजिक चेतना होना चाहिए। जब समाज यह स्वीकार कर लेगा कि नारी केवल परिवार की आधारशिला नहीं, बल्कि भविष्य की निर्माता है, तब वह दिन दूर नहीं होगा जब ह्यनारी सशक्तिकरणह्ण शब्द की आवश्यकता ही समाप्त हो जाएगी- क्योंकि नारी स्वाभाविक रूप से सशक्त होगी और तब शायद दुनिया सचमुच उस आदर्श को जी पाएगी, जिसे भारतीय संस्कृति ने हजारों वर्ष पहले कहा था-यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवता।

# आरती ने मेहनत से लिखी सफलता की कहानी

*नई दृष्टिबिंदु / मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर*

मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के जनपद पंचायत भरतपुर के विकासखंड भरतपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत कुवांरी की निवासी श्रीमती आरती सिंह ने अपने परिश्रम और दृढ़ संकल्प से आत्मनिर्भरता की मिसाल पेश की है। सीमित संसाधनों और साधारण पारिवारिक पृष्ठभूमि के बावजूद उन्होंने स्वयं सहायता समूह से जुड़कर स्वरोजगार की दिशा में कदम बढ़ाया और आज वे गांव की अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बन गई हैं।

श्रीमती आरती सिंह मां महामाया स्वयं सहायता समूह से जुड़ी हुई हैं। समूह से जुड़ने के बाद उन्हें आर्थिक रूप से आगे बढ़ने का अवसर मिला। उन्होंने समूह के माध्यम से 60 हजार रुपये का ऋण प्राप्त किया और इस राशि का उपयोग सब्जी उत्पादन शुरू करने में किया। शुरुआत में छोटे स्तर पर शुरू किया गया यह प्रयास आज एक सफल आजीविका में बदल चुका है।

आरती अपने खेत में गोभी, टमाटर, आलू, प्याज, बैंगन, लहसुन और मटर जैसी विभिन्न सब्जियों का उत्पादन करती हैं। इसके साथ ही वे गेहूं की खेती भी करती हैं। मौसम के अनुसार फसल परिवर्तन और मेहनत के कारण उनकी सब्जियों की गुणवत्ता बेहतर रहती है, जिससे गांव के साथ-साथ आसपास के बाजारों में भी उनकी सब्जियों की अच्छी मांग बनी रहती है।

### आय में हुआ इजाफा

लगातार परिश्रम और खेती की बेहतर योजना के कारण आज सब्जी उत्पादन और कृषि से उनकी वार्षिक आय लगभग 1 लाख 13 हजार 10 रुपये तक पहुंच गई है। इससे उनके परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है और उनके जीवन में आत्मविश्वास व सम्मान भी बढ़ा है। अब वे अपने परिवार की आवश्यकताओं को बेहतर ढंग से पूरा करने के साथ-साथ बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए भी प्रयासरत हैं।

### अन्य महिलाओं के लिए बनी प्रेरणा

श्रीमती आरती की यह सफलता कहानी केवल उनकी व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं है, बल्कि पूरे गांव की महिलाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बन गई है। उनकी सफलता को देखकर कई महिलाएं भी स्वयं सहायता समूह से जुड़कर स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित हो रही हैं। इससे गांव में महिला सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता को नई दिशा मिल रही है।

## 'प्रोजेक्ट धड़कन' : दिल की बीमारी से जूझ रही पीहू को मिला नया जीवन

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मार्गदर्शन एवं जिला प्रशासन रायपुर की पहल प्रोजेक्ट धड़कन से संचालित स्वास्थ्य सेवाओं ने एक बार फिर एक बच्ची के जीवन में नई उम्मीद जगाई है। छठवीं कक्षा में पढ़ने वाली 11 वर्षीय पीहू कारके, जो हृदय संबंधी समस्या से जूझ रही थी, अब सफल उपचार के बाद पूरी तरह स्वस्थ होकर सामान्य जीवन जी रही है। पीहू के हृदय में समस्या होने के कारण उसे खेल-कूद और अन्य शारीरिक गतिविधियों में कठिनाई होती थी। इसी बीच जिला प्रशासन द्वारा पुलिस विभाग के कमर्चारियों एवं उनके परिवारों के लिए आयोजित 'प्रोजेक्ट छांव' के अंतर्गत स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया गया। इस शिविर में 'प्रोजेक्ट धड़कन' की विशेषज्ञ टीम ने पीहू के हृदय की जांच की। प्रारंभिक जांच के बाद पीहू को आगे के उपचार के लिए सत्य साईं हॉस्पिटल, नवा रायपुर भेजा गया। अस्पताल में विशेषज्ञ



चिकित्सकों द्वारा विस्तृत जांच के बाद एक सप्ताह के भीतर उसका सफल ऑपरेशन किया गया। ऑपरेशन के बाद पीहू को स्वस्थ अवस्था में अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। आज पीहू पूरी तरह स्वस्थ है और पहले की तरह पढ़ाई-लिखाई में मन लगा रही है। साथ ही वह अपनी बहनों और दादी के साथ कैरम जैसे खेल भी आनंदपूर्वक खेल रही है। पीहू की माता श्रीमती इंद्राणी कारके ने इस पहल के लिए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और जिला प्रशासन रायपुर के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि 'प्रोजेक्ट धड़कन' की मदद से उनकी बेटी का समय पर इलाज संभव हो सका और अब वह स्वस्थ जीवन जी पा रही है। यह पहल न केवल जरूरतमंद बच्चों को समय पर उपचार उपलब्ध करा रही है, बल्कि उनके परिवारों के लिए भी नई उम्मीद और विश्वास का संचार कर रही है।

# बस्तर के वनांचल से खिलखिलाती मुस्कान की नई इबारत लिख रहा 6 वर्षीय बालक नन्हा विक्रम



*नई दृष्टिबिंदु / बस्तर*

बस्तर जिले के सुदूर वनांचल में बसे तारागांव की गलियों में इन दिनों एक नई गूंज सुनाई दे रही है। यह गूंज है 6 वर्षीय बालक विक्रम कश्यप की खिलखिलाती मुस्कान और उसके साफ शब्दों की। एक मजदूर परिवार में जन्मे विक्रम के लिए जीवन की शुरुआत संघर्षों भरी रही। जन्मजात कटे होंठ और तालु ( क्लेफ्ट लिप एंड पेलेट ) की समस्या के कारण न केवल उसे भोजन करने में कठिनाई होती थी, बल्कि उसकी बोलचाल भी अस्पष्ट थी। शारीरिक कष्ट से कहीं ज्यादा गहरा घाव गांव वालों की नजर और सहपाठियों के बीच होने वाली झिझक की हीन भावना से घिरा विक्रम अक्सर अपना मुंह छिपाए रखता था और अन्य बच्चों की तरह खुलकर हंसने का सिर्फ सपना ही देख पाता था।

विक्रम की किस्मत का ताला तब खुला जब शासन का चिरायु दल आंगनवाड़ी जांच के लिए तारागांव पहुंचा। जांच के दौरान दल के सदस्यों ने न केवल विक्रम की स्थिति का सटीक निदान किया, बल्कि उसके पिता नरसिंग कश्यप को बेहतर उपचार का भरोसा भी दिलाया। शुरुआत में परिवार के मन में कई आशंकाएं थीं, लेकिन स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की संवेदनशीलता और निरंतर संवाद ने उन्हें ऑपरेशन के लिए राजी कर लिया। खंड चिकित्सा अधिकारी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लोहण्डीगुड़ा जिला प्रारंभिक हस्तक्षेप केंद्र प्रबंधक एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जगदलपुर के कुशल मार्गदर्शन में विक्रम को बेहतर इलाज के लिए राजधानी रायपुर के मेडिशाइन अस्पताल ले जाया गया।

रायपुर के अस्पताल में विशेषज्ञ शल्य चिकित्सकों की टीम ने विक्रम का सफल ऑपरेशन किया, जिसने उसके फटे होंठ और तालु को नया रूप दे दिया। कुछ ही हफ्तों के भीतर जब विक्रम वापस अपने गांव तारागांव लौटा, तो वहां का नजारा ही बदल गया था। वह शर्मीला बालक जो कभी अपना चेहरा ढककर चलता था, अब एक आत्मविश्वासी बच्चे के रूप में सबके सामने था। आज विक्रम न केवल स्पष्ट आवाज में अपने पिता से बात करता है, बल्कि घर के कामों में हाथ बंटाकर अपनी मां का सहारा भी बन रहा है। उसके पिता नरसिंग गर्व से कहते हैं कि शासन की चिरायु योजना उनके बेटे के लिए किसी वरदान से कम साबित नहीं हुई।

विक्रम की यह सफलता की कहानी बस्तर के हृदय स्थल से निकलकर यह संदेश दे रही है कि प्रशासन की तत्परता और सही योजनाओं के क्रियान्वयन से कोई भी बच्चा उज्ज्वल भविष्य की आशा से दूर नहीं रह सकता। इस सुखद बदलाव के लिए विक्रम के माता-पिता ने स्वास्थ्य विभाग के समस्त अधिकारियों, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, खंड चिकित्सा अधिकारी और जिला प्रारंभिक हस्तक्षेप केंद्र प्रबंधक का हृदय से आभार व्यक्त किया है।

# परंपरागत स्वाद को बनाया आजीविका का सशक्त साधन, 'इमली लाटा' से आत्मनिर्भर बनीं राखी

*नई दृष्टिबिंदु / बलौदाबाजार-भाटापारा*

छत्तीसगढ़ के पारंपरिक स्वाद 'इमली लाटा' को आजीविका का साधन बनाकर बलौदाबाजार-भाटापारा जिला के ग्राम अर्जुनी निवासी राखी ध्रुव ने आत्मनिर्भरता की प्रेरक मिसाल पेश की है। मेहनत, नवाचार और परंपरा को सहेजने की भावना के साथ उन्होंने इस पारंपरिक उत्पाद को न केवल अपनी पहचान बनाया, बल्कि इससे अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को भी मजबूत किया है।

विकासखंड बलौदाबाजार अंतर्गत ग्राम अर्जुनी की निवासी राखी ध्रुव बताती हैं कि उनकी सफलता की शुरुआत तब हुई जब वे रायपुर में अपने एक रिश्तेदार के घर गई थीं। वहां उन्होंने आसपास की महिलाओं को पारंपरिक तरीके से इमली लाटा बनाते हुए देखा। इस कार्य में छिपी संभावनाओं को समझते हुए उन्होंने इसके बारे में जानकारी जुटाई और अपने गांव लौटकर बिहान समूह से जुड़कर इसे व्यवसाय का रूप देने का निर्णय लिया।

राखी ध्रुव अपने व्यवसाय के लिए कच्चे माल के रूप में इमली की खरीदी भाटापारा से करती हैं, जबकि उत्पादों की आकर्षक पैकेजिंग के लिए डिब्बे बिलासपुर से मंगवाती हैं। घर पर ही अन्य समूह की महिलाओं के सहयोग और अपनी मेहनत के बल पर उन्होंने इस गतिविधि को सफल व्यवसाय में बदल दिया है।

वतर्मान में वे इस कार्य से प्रतिवर्ष लगभग 1.5 लाख रुपये की आय अर्जित कर रही हैं, जिससे वे अपने परिवार का भरण-पोषण और आर्थिक सुदृढ़ीकरण बेहतर ढंग से कर पा रही हैं। राखी बताती हैं कि अब आसपास के लोग उन्हें प्यार से 'लखपति दीदी' कहकर बुलाते हैं, जो उनके लिए गर्व की बात है।

राखी ध्रुव के पति श्री जलेश्वर ध्रुव गांव में टेलरिंग और जूते की दुकान का संचालन करते हैं। राखी के मन में स्वयं कुछ करने की इच्छा थी, जिसे इमली लाटा के इस व्यवसाय ने नई दिशा दी। वे अपनी सफलता का श्रेय केंद्र और राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को देती हैं।

राखी ध्रुव प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहती हैं कि सरकार की योजनाओं ने ग्रामीण महिलाओं को घर की चारदीवारी से बाहर निकलकर आर्थिक स्वावलंबन की राह पर आगे बढ़ने का अवसर दिया है। बिहान के माध्यम से आज उनके जैसे हजारों परिवारों के जीवन स्तर में सकारात्मक बदलाव आया है और महिलाएं आत्मसम्मान के साथ समाज में अपनी पहचान बना रही हैं।

# तेज गर्मी में बढ़ा लू का खतरा : ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य विभाग की जागरूकता पहल, सावधानी बरतने की अपील

*नई दृष्टिबिंदु / रायपुर*

छत्तीसगढ़ राज्य के साथ-साथ गरियाबंद जिले में भी मौसम में लगातार परिवर्तन के बाद अब तेज धूप और गर्मी की शुरुआत हो गई है, जिससे लू लगने की आशंका बढ़ गई है। वर्तमान समय में ग्रामीण क्षेत्रों के लोग जंगलों में महुआ संकलन का कार्य बड़े पैमाने पर कर रहे हैं, लेकिन पर्याप्त मात्रा में पानी और पेय पदार्थ साथ में नहीं ले जाने के कारण कई लोग निर्जलीकरण का शिकार भी हो जाते हैं।

इस संबंध में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. यू.एस. नवरत्न ने जिला अस्पताल सहित सभी सामुदायिक, प्राथमिक एवं उप स्वास्थ्य केन्द्रों के संस्था प्रभारियों को लू से बचाव और उपचार के लिए पर्याप्त मात्रा में आवश्यक जीवनरक्षक दवाइयों और ओआरएस की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही मैदानी स्वास्थ्य अमले और मितानिनों के माध्यम से लू लगने के कारणों और उससे बचाव के उपायों के संबंध में ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य जागरूकता और व्यापक प्रचार-प्रसार करने को कहा गया है। उन्होंने बताया कि लू लगना खतरनाक और कई बार जानलेवा भी साबित हो सकता है, इसलिए समय रहते सावधानी बरतना जरूरी है।

स्वास्थ्य विभाग के अनुसार लू के सामान्य लक्षणों में सिर में भारीपन और दर्द का अनुभव होना, तेज बुखार के साथ मुंह का सूखना, चक्कर आना और उल्टी होना, कमजोरी के साथ शरीर में दर्द होना, शरीर का तापमान अधिक होने के बावजूद पसीना न आना, अधिक प्यास लगना और पेशाब कम आना, भूख कम लगना तथा गंभीर स्थिति में बेहोश होना शामिल है। ऐसे लक्षण दिखाई देने पर तुरंत सावधानी बरतना और चिकित्सकीय सलाह लेना आवश्यक है।

लू से बचाव के लिए लोगों को सलाह दी गई है कि अत्यंत आवश्यक न होने पर तेज धूप में घर से बाहर न निकलें। यदि बाहर जाना जरूरी हो तो सिर और कान को कपड़े से ढककर निकलें और पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं। अधिक समय तक धूप में रहने से बचें और गर्मी के मौसम में नरम व सूती कपड़े पहनें ताकि शरीर को ठंडक मिल सके। अधिक पसीना आने की स्थिति में ओआरएस घोल का सेवन करना चाहिए। यदि किसी व्यक्ति को चक्कर या मितली महसूस हो तो उसे छायादार स्थान पर आराम करवाना चाहिए और ठंडा पेयजल, फल का रस, लस्सी या मठा आदि दिया जा सकता है। प्रारंभिक सलाह के लिए 104 आरोग्य सेवा केन्द्र से निःशुल्क परामर्श भी लिया जा सकता है। उल्टी, सिरदर्द या तेज बुखार की स्थिति में निकटतम अस्पताल या स्वास्थ्य केन्द्र में तुरंत संपर्क करने की सलाह दी गई है।

स्वास्थ्य विभाग ने यह भी बताया कि यदि किसी व्यक्ति को लू लग जाए तो प्रारंभिक उपचार के रूप में उसके सिर पर ठंडे पानी की पट्टी रखनी चाहिए और अधिक मात्रा में पानी तथा पेय पदार्थ जैसे कच्चे आम का पन्ना या जलजीरा आदि पिलाना चाहिए। पीड़ित व्यक्ति को पंखे के नीचे हवा में लिटाकर शरीर पर ठंडे पानी का छिड़काव करते रहना चाहिए। आवश्यकता पड़ने पर मितानिन या एएनएम से ओआरएस का पैकेट लेकर दिया जा सकता है और मरीज को जल्द से जल्द किसी नजदीकी चिकित्सक या अस्पताल में इलाज के लिए ले जाना चाहिए।

**खास खबर**

## बहतराई में बालिका कबड्डी अकादमी के लिए चयन ट्रायल 15 को

*नई दृष्टिबिंदु / गरियाबंद*

स्व. बी.आर. यादव राज्य खेल प्रशिक्षण केंद्र बहतराई, जिला बिलासपुर में संचालित आवासीय बालिका कबड्डी अकादमी में बालिका खिलाड़ियों के लिए 50 सीटें स्वीकृत हैं। वर्तमान में अकादमी में 38 बालिका खिलाड़ी प्रशिक्षण प्राप्त कर रही हैं, जिनमें से लगभग 10 खिलाड़ियों के वीड़-आउट होने की संभावना है। इस स्थिति में अकादमी में कुल 22 सीटें रिक्त होने की संभावना है।

खेल विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार इन रिक्त सीटों को भरने के लिए बालिका आवासीय कबड्डी अकादमी में एक दिवसीय चयन ट्रायल का आयोजन 15 मार्च 2026 को प्रस्तावित किया गया है। अकादमी संचालन नियमों के अनुसार 13 से 17 वर्ष आयु वर्ग के खिलाड़ियों को प्रवेश दिए जाने का प्रावधान है। वर्तमान में अकादमी में जूनियर एवं सीनियर स्तर के खिलाड़ी उपलब्ध हैं, जबकि सब-जूनियर स्तर के खिलाड़ियों के चयन हेतु ट्रायल आयोजित किया जाएगा। सब-जूनियर स्तर के खिलाड़ियों को प्रवेश देने के लिए 13 वर्ष आयु के खिलाड़ियों को शामिल करने पर उन्हें समुचित प्रशिक्षण देने में कठिनाइयों की संभावना को देखते हुए न्यूनतम आयु सीमा में शिथिलता प्रदान करते हुए 11 से 13 वर्ष आयु वर्ग की बालिका खिलाड़ियों के लिए चयन ट्रायल आयोजित करने की स्वीकृति का अनुरोध किया गया है।

यह चयन ट्रायल एक दिवसीय होगा, जिसमें खिलाड़ियों को आवागमन हेतु कोई राशि प्रदान नहीं की जाएगी और न ही आवासीय सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। चयन ट्रायल में भाग लेने वाले खिलाड़ियों को केवल दोपहर में एक समय भोजन की व्यवस्था उपलब्ध कराई जाएगी।

# घरेलू एलपीजी गैस व डीजल-पेट्रोल का पर्याप्त स्टॉक आपूर्ति व्यवस्था पर सतत निगरानी के निर्देश-कंगाले

## खाद्य सचिव रीना कंगाले ने आयल कंपनियों के अधिकारियों के साथ बैठक कर दिए निर्देश

*नई दृष्टिबिंदु / रायपुर*

छत्तीसगढ़ में घरेलू एलपीजी गैस तथा डीजल-पेट्रोल की उपलब्धता और आपूर्ति व्यवस्था की समीक्षा के लिए आज मंत्रालय महानदी भवन में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग की सचिव श्रीमती रीना बाबा साहेब कंगाले ने सभी ऑयल कंपनी के अधिकारियों के साथ बैठक कर राज्य में घरेलू एलपीजी गैस तथा डीजल-पेट्रोल की उपलब्धता एवं आपूर्ति व्यवस्था की विस्तृत समीक्षा की।

बैठक में जानकारी दी गई कि राज्य में संचालित सभी 5 एलपीजी बॉटलिंग प्लांटों में एलपीजी गैस का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है और घरेलू गैस की आपूर्ति सामान्य रूप से जारी है। इस अवसर पर संचालक खाद्य एवं ऑयल कंपनी के अधिकारियों को राज्य में एलपीजी गैस की दैनिक आपूर्ति और वितरण व्यवस्था पर नियमित निगरानी रखने के निर्देश दिए गए, ताकि उपभोक्ताओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

बैठक में ऑयल कंपनी के अधिकारियों द्वारा अवगत कराया गया कि कमर्शियल एलपीजी सिलेण्डर वर्तमान में केवल विशेष अत्यावश्यक संस्थाओं, जैसे अस्पतालों एवं शैक्षणिक संस्थाओं को ही सप्लाई किए जा रहे हैं। इस पर खाद्य सचिव श्रीमती रीना कंगाले ने निर्देशित किया कि वर्तमान समय में विद्यार्थियों की परीक्षाएँ चल रही हैं, इसलिए शैक्षणिक संस्थाओं एवं छात्रावासों को गैस सिलेण्डर की आपूर्ति सुनिश्चित कराई जाए।

बैठक के दौरान सचिव श्रीमती कंगाले ने कहा कि वर्तमान परिस्थितियों के आधार पर 15 प्रतिशत कमर्शियल सप्लाई होटलों आदि को भी दिए जाने पर विचार किया जाए, ताकि आवश्यक सेवाओं से जुड़े प्रतिष्ठानों को भी सीमित स्तर पर आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके। इसके साथ ही जिलों में एलपीजी गैस के दुरुपयोग तथा अवैध गैस रिफिलिंग की रोकथाम के लिए भी कड़े निर्देश दिए गए। इस संबंध में जिला प्रशासन को आवश्यक वस्तु अधिनियम के अंतर्गत कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए, ताकि किसी भी प्रकार की अनियमितता या कालाबाजारी को रोका जा सके।

बैठक में राज्य में डीजल, पेट्रोल एवं सीएनजी गैस की उपलब्धता की भी समीक्षा की गई। ऑयल कंपनी के अधिकारियों ने बताया कि राज्य के तीनों डीजल-पेट्रोल डिपो में पर्याप्त मात्रा में स्टॉक उपलब्ध है। इस पर संचालक खाद्य एवं ऑयल कंपनी के अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि डीजल और पेट्रोल की दैनिक आपूर्ति एवं वितरण व्यवस्था पर भी नियमित निगरानी रखी जाए।

खाद्य सचिव श्रीमती कंगाले ने राज्य के उपभोक्ताओं को आश्वस्त करते हुए कहा कि प्रदेश में एलपीजी गैस तथा डीजल-पेट्रोल की उपलब्धता पर्याप्त मात्रा में है और इन पेट्रोलियम पदार्थों की किसी प्रकार की कमी या शॉर्टेज नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि उपभोक्ताओं को गैस एजेंसियों के माध्यम से गैस सिलेण्डर की आपूर्ति नियमानुसार नियमित रूप से की जा रही है। उन्होंने कहा कि आपूर्ति से संबंधित किसी भी प्रकार की शिकायत या जानकारी के लिए उपभोक्ता टोल फ्री कॉल सेंटर नंबर 1800-233-3663 पर संपर्क कर सकते हैं।

# संभागायुक्त जैन ने पीएम श्री स्कूल का किया निरीक्षण

## पढ़ाई की गुणवत्ता बढ़ाने और सुविधाएं विकसित करने के दिए निर्देश

*नई दृष्टिबिंदु / बिलासपुर*

संभागायुक्त सुनील जैन ने चकरभाठा स्थित पीएम श्री स्कूल का निरीक्षण किया। उन्होंने प्राचार्य से स्कूल में संचालित कक्षाओं की जानकारी ली तथा शिक्षण व्यवस्था की समीक्षा की। उन्होंने पढ़ाई की गुणवत्ता बढ़ाने और सुविधाएं विकसित करने कहा। निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्कूल परिसर में मिनी स्टेडियम बनाने के निर्देश भी दिए। परिसर में निर्मित 16 कमरों की भवन की स्थिति का अवलोकन करते हुए उन्होंने उसकी मरम्मत कराने तथा सीपेज की समस्या को दूर करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अगले सत्र तक सभी आवश्यक कार्य पूर्ण करा लिए जाएं।

निरीक्षण के दौरान डिप्टी कमिश्नर श्रीमती स्मृति तिवारी, समग्र शिक्षा के जिला समन्वयक ओम पांडे सहित संबंधित अधिकारी एवं स्कूल के प्राचार्य उपस्थित थे।

हुए लाइब्रेरी को सुव्यवस्थित रखने के निर्देश दिए। साथ ही लाइब्रेरी को हाईटेक बनाते हुए सभी व्यवस्थाओं को ऑनलाइन करने कहा। निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्कूल परिसर में मिनी स्टेडियम बनाने के निर्देश भी दिए। परिसर में निर्मित 16 कमरों की भवन की स्थिति का अवलोकन करते हुए उन्होंने उसकी मरम्मत कराने तथा सीपेज की समस्या को दूर करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अगले सत्र तक सभी आवश्यक कार्य पूर्ण करा लिए जाएं।

# घरों की बाड़ी बनी महिलाओं की तरक्की की राह, बाड़ी में रोपित औषधि पौधे बने अतिरिक्त आय का साधन

*नई दृष्टिबिंदु / रायपुर*

घरों की बाड़ी में औषधीय पौधों का रोपण कर महिलाओं की नियमित आय सुनिश्चित करने का प्रयास किया जा रहा है। इस योजना के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में कई महिलाएँ घर से बाहर जाकर काम नहीं कर पातीं, जिसके कारण उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत नहीं हो पाती। इस समस्या को ध्यान में रखते हुए बोर्ड ने ऐसी योजना तैयार की है, जिससे महिलाएँ घर पर रहकर ही रोजगार प्राप्त कर सकें और अपनी आय बढ़ा सकें।

वन मंत्री केदार कश्यप के निर्देशानुसार और विकास मरकाम के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ आदिवासी, स्थानीय स्वास्थ्य परंपरा एवं औषधि पादप बोर्ड, रायपुर द्वारा ग्रामीण महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए एक नवाचार योजना शुरू की गई है। औषधीय पौधे सिंदूरी, सतावर और अश्वगंधा निःशुल्क उपलब्ध कराए जाते हैं

योजना के तहत महिलाओं को उनकी बाड़ी में लगाने के लिए बाजार में मांग वाले तीन प्रमुख औषधीय पौधे सिंदूरी, सतावर और अश्वगंधा निःशुल्क उपलब्ध कराए जाते हैं। इन पौधों की देखभाल अपेक्षाकृत कम होती है और इन्हें घर के अन्य कामों के साथ आसानी से संभाला जा सकता है।

अश्वगंधा की फसल लगभग 6 माह में तैयार हो जाती है, जबकि सतावर की उपज लगभग 24 माह में और सिंदूरी से प्राप्त उपज करीब 36 माह बाद मिलने लगती है। इन तीनों पौधों से बनने वाले उत्पादों की बाजार में लगातार मांग रहती है, इसलिए इनके कच्चे उत्पादों का विपणन आसान होता है। बोर्ड ने इसके लिए अशासकीय संस्थाओं के साथ अनुबंध कर विपणन की व्यवस्था भी पहले से सुनिश्चित कर दी है।

### कम लागत, अच्छा उत्पादन

बाड़ी में लगभग 40 से 50 सिंदूरी के पौधे लगाए जा सकते हैं, जिनके बीच करीब 10 फीट की दूरी रखी जाती है। इन पौधों के बीच में लगभग 500 सतावर के पौधे लगाए जा सकते हैं। इस प्रकार कम जगह में भी अच्छा उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है।

### 27 ग्रामों की 509 महिलाओं की बाड़ी में की है औषधि पौधे रोपित

इस योजना का पायलट प्रोजेक्ट धमतरी जिले में शुरू किया गया है। यहां 27 ग्रामों की 509 महिलाओं की बाड़ी में लगभग 82 हजार सतावर और 39 हजार सिंदूरी के पौधे लगाए गए हैं। समय-समय पर निरीक्षण कर महिलाओं को तकनीकी मार्गदर्शन और संग्रहण से संबंधित जानकारी भी प्रदान की जाती है।

बोर्ड को उम्मीद है कि लगभग 24 माह बाद इस योजना से जुड़ी महिलाओं को सालाना करीब 20 हजार से 30 हजार रुपए तक की अतिरिक्त आय प्राप्त होने लगेगी। यह पहल ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकती है।

# मर्ज किए गए स्कूलों को नहीं मिला बजट, छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन ने उठाई अनुदान राशि जारी करने की मांग

*नई दृष्टिबिंदु / रायपुर*

छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन ने प्रदेश के सरकारी स्कूलों में 'युक्तियुक्तकरण' के तहत किए गए विलय (मर्ज) के बाद उत्पन्न हुई वित्तीय समस्याओं को लेकर शासन का ध्यान आकर्षित किया है। एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष संजय शर्मा ने शिक्षा मंत्री, शिक्षा सचिव और लोक शिक्षण संचालक को पत्र लिखकर बजट जारी करने की मांग की है। एसोसिएशन का कहना है कि सत्र 2025-26 के लिए 'समग्र शिक्षा राज्य कार्यालय' द्वारा शाला अनुदान की राशि तो जारी कर दी गई है, लेकिन इसमें उन स्कूलों को नजर अंदाज कर दिया गया है जिनका दूसरे स्कूलों में विलय हुआ है।

पत्र में प्रमुख रूप से निम्नलिखित बिंदुओं को उठाया गया है: अतिरिक्त राशि का अभाव: जिन स्कूलों में अन्य स्कूलों को मर्ज किया गया है, वहां छात्र संख्या बढ़ने के बावजूद कोई अतिरिक्त बजट नहीं दिया गया। प्राइमरी और मिडिल स्कूल प्रभावित: कई स्थानों पर हाई स्कूल/हायर सेकेंडरी में मिडिल और प्राइमरी स्कूलों का विलय हुआ है। विलय के बाद इन प्राथमिक और माध्यमिक विभागों के लिए पृथक से कोई अनुदान राशि उपलब्ध नहीं कराई गई है। व्ययस्थाएं ठप होने की कगार पर: बजट न मिलने के कारण स्कूलों में मरम्मत, साफ-सफाई, स्टेशनरी और आवश्यक शैक्षणिक सामग्री की खरीद में भारी कठिनाई आ रही है। "बजट के अभाव में शालेय व्यवस्था, स्वच्छता और भवन सुरक्षा प्रभावित हो रही है। छात्रों के हित में यह जरूरी है कि पूर्व की भांति पृथक शाला अनुदान राशि शीघ्र जारी की जाए।"

### क्या है मुख्य समस्या?

एसोसिएशन का कहना है कि सत्र 2025-26 के लिए 'समग्र शिक्षा राज्य कार्यालय' द्वारा शाला अनुदान की राशि तो जारी कर दी गई है, लेकिन इसमें उन स्कूलों को नजरअंदाज कर दिया गया है जिनका दूसरे स्कूलों में विलय हुआ है।

पत्र में प्रमुख रूप से निम्नलिखित बिंदुओं को उठाया गया है: अतिरिक्त राशि का अभाव: जिन स्कूलों में अन्य स्कूलों को मर्ज किया गया है, वहां छात्र संख्या बढ़ने के बावजूद कोई अतिरिक्त बजट नहीं दिया गया। प्राइमरी और मिडिल स्कूल प्रभावित: कई स्थानों पर हाई स्कूल/हायर सेकेंडरी में मिडिल और प्राइमरी स्कूलों का विलय हुआ है। विलय के बाद इन प्राथमिक और माध्यमिक विभागों के लिए पृथक से कोई अनुदान राशि उपलब्ध नहीं कराई गई है। व्ययस्थाएं ठप होने की कगार पर: बजट न मिलने के कारण स्कूलों में मरम्मत, साफ-सफाई, स्टेशनरी और आवश्यक शैक्षणिक सामग्री की खरीद में भारी कठिनाई आ रही है। "बजट के अभाव में शालेय व्यवस्था, स्वच्छता और भवन सुरक्षा प्रभावित हो रही है। छात्रों के हित में यह जरूरी है कि पूर्व की भांति पृथक शाला अनुदान राशि शीघ्र जारी की जाए।"

### सुचारू संचालन के लिए मांग

टीचर्स एसोसिएशन ने सरकार से निवेदन किया है कि छात्र संख्या के आधार पर मर्ज किए गए विद्यालयों के लिए भी जल्द से जल्द अनुदान राशि आवंटित की जाए, ताकि स्कूलों का संचालन सुचारू रूप से सुनिश्चित हो सके और भवन व स्वच्छता संबंधी व्यवस्थाएं दुरुस्त रखी जा सकें। निवेदन किया है कि छात्र संख्या के आधार पर मर्ज किए गए विद्यालयों के लिए भी जल्द से जल्द अनुदान राशि आवंटित की जाए, ताकि स्कूलों का संचालन सुचारू रूप से सुनिश्चित हो सके और भवन व स्वच्छता संबंधी व्यवस्थाएं दुरुस्त रखी जा सकें।

**'परम्परा से पहचान तक'** नवा रायपुर में परम्परा से पहचान तक 'आदि परब-2026' का भव्य आयोजन

# छग राज्य के चिन्हांकित 43 जनजातियों व उपजातियों की संस्कृति, परिधान और चित्रकला का करेंगे प्रदर्शन

*नई दृष्टिबिंदु / रायपुर*

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की परिकल्पना और निर्देश पर 13 और 14 मार्च 2026 को नवा रायपुर स्थित आदिम जाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान परिसर में 'परम्परा से पहचान तक' - आदि परब - 2026 का भव्य आयोजन किया जाएगा। छत्तीसगढ़ की समृद्ध जनजातीय संस्कृति, कला और परंपराओं को राष्ट्रीय मंच देने के उद्देश्य से 'आदि परब-2026' का भव्य आयोजन किया जा रहा है।

भारत सरकार के जनजातीय कार्य मंत्रालय के सहयोग से आदिम जाति विकास विभाग के अंतर्गत आदिम जाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान द्वारा कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। उक्त आशय की जानकारी आज टीआरटीआई में आयोजित पत्रकारवार्ता के दौरान आदिम जाति विकास विभाग के प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा और प्रशिक्षण संस्थान के संचालक श्रीमती हिना अनिमेष नेताम ने दी।

आदिम जाति विकास विभाग के प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा और आदिवासी अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान के संचालक श्रीमती हिना अनिमेष नेताम ने प्रेसवार्ता में बताया कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की परिकल्पना और निर्देश पर आदि परब-2026 का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि आदिम जाति विकास मंत्री रामविचार नेताम के मार्गदर्शन में विभाग इस आयोजन को सफल बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रहा है।

श्री बोरा ने बताया कि दो दिवसीय इस आयोजन में छत्तीसगढ़ की 43 जनजातियों के साथ-साथ मध्यप्रदेश, तेलंगाना, ओडिशा, महाराष्ट्र और झारखंड के जनजातीय समुदाय भी शामिल होंगे'

आयोजन का उद्देश्य जनजातीय पहचान, सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण तथा पारंपरिक ज्ञान के संवर्धन को बढ़ावा देना है।

पहली बार एक मंच पर दिखेंगी 43 जनजातियों की वेशभूषाएँ

श्री बोरा ने बताया कि इस कार्यक्रम के अंतर्गत आदि-परिधान जनजातीय अटायर शो का आयोजन 13 मार्च को सुबह 10.30 बजे से शाम 8 बजे तक और 14 मार्च को शाम 4 बजे से रात 8 बजे तक किया जाएगा। इस आयोजन में राज्य की 43 जनजातीय समुदायों की पारंपरिक वेशभूषा और सांस्कृतिक विशेषताओं को पहली बार एक ही मंच पर प्रदर्शित किया जाएगा। प्राकृतिक रंगों, स्थानीय संसाधनों और हाथों से बने वस्त्रों से तैयार ये परिधान जनजातीय जीवन शैली और प्रकृति के साथ सह-अस्तित्व का संदेश देंगे। इसमें भाग लेने के लिए 120 प्रतिभागियों ने ऑनलाइन पंजीयन कराया है।

### आदि रंग में चित्रकला के माध्यम से जल-जंगल-जमीन का संदेश

श्री बोरा ने प्रेसवार्ता में बताया कि आदि परब के तहत 'आदि रंग - जनजातीय चित्रकला महोत्सव' भी आयोजित होगा। इस महोत्सव में जनजातीय कलाकार अपनी पारंपरिक चित्रकला के माध्यम से जल, जंगल और जमीन के संरक्षण, जनजातीय जीवन दर्शन और पर्यावरणीय चुनौतियों को प्रस्तुत करेंगे। इस कार्यक्रम में 155 प्रतिभागियों ने ऑनलाइन पंजीयन कराया है। चित्रकला प्रतियोगिता 18-30 वर्ष और 30 वर्ष से अधिक आयु वर्ग की दो श्रेणियों में होगी।

दोनों श्रेणी में प्रथम पुरस्कार 20 हजार रुपये, द्वितीय पुरस्कार 15 हजार रुपये और तृतीय पुरस्कार 10 हजार रुपये दिए जाएंगे। साथ ही दोनों आयु वर्गों के 10-10 प्रतिभागियों को 2000 रुपये का सांत्वना पुरस्कार भी दिया जाएगा।

### आदि-हाट में मिलेगा जनजातीय हस्तशिल्प और व्यंजनों का स्वाद

श्री बोरा ने बताया कि आयोजन के दौरान आदि-हाट जनजातीय शिल्प मेला भी लगाया जाएगा, जिसमें छत्तीसगढ़ के जनजातीय हस्तशिल्प, वनोपज और पारंपरिक उत्पादों का प्रदर्शन और विक्रय किया जाएगा। यहां 14 समूहों द्वारा हस्तशिल्प और पारंपरिक व्यंजनों के स्टॉल लगाए जाएंगे, जहां आगंतुक प्रदेश के पारंपरिक स्वाद का आनंद ले सकेंगे।

यूपीएससी में चयनित जनजातीय युवाओं का होगा सम्मान

प्रमुख सचिव श्री बोरा ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान संघ लोक सेवा आयोग परीक्षा 2025 में छत्तीसगढ़ से आदिम जाति विकास विभाग की योजनाओं के सहयोग से चयनित अनुसूचित जनजाति वर्ग के अभ्यर्थी डायमंड सिंह धुर्वे और अंकित साकनी का सम्मान किया जाएगा। साथ ही इस मौके पर 'प्रयास' संस्थान के विद्यार्थियों को विभागीय योजनाओं के तहत लैपटॉप भी वितरित किए जाएंगे।

# राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के अपमान पर मुख्यमंत्री साय ने लिखा ममता बनर्जी को कड़ा पत्र

*नई दृष्टिबिंदु / रायपुर*

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री सुश्री ममता बनर्जी को कड़ा पत्र लिखकर भारत की माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु के साथ हाल ही में हुए व्यवहार पर गहरी आपत्ति जताई है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा है कि जनजातीय समाज से आने वाली देश की प्रथम महिला राष्ट्रपति के साथ किया गया यह व्यवहार केवल एक व्यक्ति का नहीं बल्कि देश की सवोच्च संवैधानिक संस्था, आदिवासी समाज और मातृशक्ति का अपमान है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने अपने पत्र में कहा है कि भारत की लोकतांत्रिक परंपराएं और शिष्टाचार पूरी दुनिया में सम्मानित रहे हैं। मतभेद को कभी भी मनभेद में न बदलने की हमारी संस्कृति रही है, लेकिन राष्ट्रपति जैसे सवोच्च संवैधानिक पद के प्रति न्यूनतम शिष्टाचार का भी पालन न किया जाना लोकतांत्रिक मूल्यों के विपरीत है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस से ठीक पहले एक जनजातीय समाज से आने वाली महिला राष्ट्रपति के प्रवास के दौरान कार्यक्रम से जुड़ी व्यवस्थाओं

में लापरवाही और उनका अपमान किया जाना अत्यंत निंदनीय और दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि यह घटना देश के करोड़ों आदिवासियों, पिछड़ों, दलितों और मातृशक्ति की भावनाओं को गहराई से आहत करने वाली है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने अपने पत्र में यह भी कहा कि यह पहली बार हुआ है जब किसी राज्य सरकार के व्यवहार को लेकर स्वयं राष्ट्रपति जी को अपनी पीड़ा सार्वजनिक करनी पड़ी है। उन्होंने कहा कि यह स्थिति देश के लोकतांत्रिक इतिहास में अत्यंत चिंताजनक है और इससे पश्चिम बंगाल जैसे प्रतिष्ठित राज्य की छवि को भी ठेस पहुंची है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने अपने पत्र में संदेशखाली की घटना का भी उल्लेख करते हुए कहा कि वहां भी जनजातीय समाज की महिलाओं के साथ हुई घटनाओं ने पूरे देश को झकझोर दिया था। उन्होंने कहा कि वंचित और जनजातीय समाज के साथ इस प्रकार का व्यवहार किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सुश्री ममता बनर्जी से आग्रह किया है कि वे इस विषय पर देश और समाज से क्षमा मांगते हुए अपनी भूल स्वीकार करें तथा भविष्य में लोकतांत्रिक संस्थाओं और संवैधानिक पदों के प्रति सम्मान बनाए रखने के लिए देश को आश्वस्त करें।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था में राष्ट्रपति देश की सवोच्च संवैधानिक संस्था का प्रतीक हैं और उनके सम्मान से ही लोकतंत्र की गरिमा जुड़ी हुई है। उन्होंने कहा कि किसी भी राजनीतिक मतभेद से ऊपर उठकर संवैधानिक पदों का सम्मान किया जाना चाहिए।

मुख्यमंत्री श्री साय ने स्पष्ट कहा कि जनजातीय समाज से आने वाली राष्ट्रपति के सम्मान से जुड़ा यह विषय पूरे देश की अस्मिता और स्वाभिमान से जुड़ा हुआ है, इसलिए देश और समाज की भावनाओं का सम्मान करते हुए इस प्रकरण में जिम्मेदारी के साथ कदम उठाए जाना आवश्यक है।

## 'टटीरी' गाने को लेकर बादशाह की बढ़ीं मुश्किलें

हरियाणा की राज्य महिला आयोग की चेयरपर्सन रेणु भाटिया ने रैपर-सिंगर बादशाह और उनके नए गाने को लेकर हुए विवाद पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा है कि सिंगर का काम माफी के लायक नहीं है।

### माफी के लायक नहीं काम

आदित्य प्रतीक सिंह सिसोदिया उर्फ बादशाह हाल ही में गाना 'टटीरी' को लेकर विवादों में आ गए। लोगों ने इसके लिरिक्स पर आपत्ति जताई। इस पर बादशाह ने माफी मांगी है। इस बीच मीडिया से बात करते हुए भाटिया ने कहा 'बादशाह ने जो किया है वह माफ करने लायक नहीं है। हरियाणा की बेटियों का इस तरह अपमान करना और उनके खिलाफ ऐसी गंदी भाषा का इस्तेमाल करना बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। हमने उन्हें 13 मार्च को बुलाया है।

### बादशाह ने मांगी माफी

शनिवार को बादशाह ने एक वीडियो में अपने काम को लेकर माफी मांगी थी। उन्होंने कहा था 'मैं खुद हरियाणा से हूं। जो लोग मुझे जानते हैं, वो जानते हैं कि मेरी बोली, मेरा खान-पान, मेरा रहना-सहना, मेरी पहचान हरियाणा से है। मैं एक हरियाणवी हूं। मेरा कभी ऐसा कोई इरादा नहीं था कि मैं हरियाणा के किसी बच्चे, किसी महिला के बारे में ऐसी बात कहूं। मुझे उम्मीद है कि आप मुझे हरियाणा का बेटा, अपना बेटा समझेंगे और मुझे माफ कर देंगे।' इस बीच, बादशाह के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली गई है। उनके खिलाफ लुक आउट सर्कुलर जारी करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। एक नोटिस भी जारी किया गया है, जिसमें सिंगर-रैपर को पुलिस के सामने पेश होने के लिए कहा गया है। टीमें उन्हें गिरफ्तार करने के लिए लगातार छापेमारी कर रही हैं। पुलिस ने एक ट्वीट में इसकी पुष्टि की।

### गाने पर आपत्ति

इससे पहले बादशाह के गाने के कुछ बोल और वीडियो में दिखाई गई कुछ तस्वीरों को लेकर आपत्ति जताई गई थी। शिकायत करने वाले लोगों का कहना है कि गाने में इस्तेमाल की गई शब्दावली आपत्तिजनक है। उनका मानना है कि इससे महिलाओं की गरिमा को ठेस पहुंचती है। उन्होंने महिला आयोग से इस मामले में कार्रवाई की मांग की।

# इम्तियाज अली की 'हीर रांझा' में नजर आएंगी सारा अर्जुन

इम्तियाज अली ने 14 फरवरी के दिन हीर रांझा फिल्म का ऐलान किया था। इसके अनाउंसमेंट वीडियो में हमें लैला मजनू की झलकियां देखने को मिली थी। लेकिन साथ ही हीर रांझा का भी कनेक्शन दिखाई दिया था। अब फिल्म को लेकर फैंस काफी एक्साइटेड हैं और इसकी कास्ट को लेकर लगातार चर्चाएं जारी हैं।

'लैला मजनू' का पार्ट 2!

'हीर रांझा' फिल्म मशहूर पंजाबी लोककथा पर आधारित एक भव्य रोमांटिक कहानी होगी। इस प्रोजेक्ट के साथ दोनों भाई एक बार फिर एपिक लव स्टोरी की दुनिया में लौट रहे हैं। फिल्म को एकता कपूर प्रोड्यूस करेंगी, जो इससे पहले इम्तियाज और साजिद के साथ 'लैला मजनू' में काम कर चुकी हैं। दिलचस्प बात यह है कि 'हीर रांझा' को 'लैला मजनू' फ्रेंचाइजी का दूसरा चैप्टर माना जा रहा है, जो लव स्टोरी के पार्ट को आगे बढ़ाएगा। फिल्म की घोषणा के बाद से ही कास्टिंग को लेकर चर्चाएं तेज हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, धुरंधर फेम सारा अर्जुन इस फिल्म में फीमेल लीड के लिए सबसे मजबूत दावेदार मानी जा रही हैं। बताया जा रहा है कि मेकर्स एक फ्रेश चेहरे की तलाश में हैं और सारा इस भूमिका के लिए बिल्कुल फिट बैठती हैं। बता दें कि 2025 में आई आदित्य धर की फिल्म 'धुरंधर' से सारा ने खास पहचान बनाई थी और अब वह इंडस्ट्री की उभरती हुई टैलेंटेड एक्ट्रेसेज में गिनी जा रही हैं।

### सारा का वर्कफ्रंट

वर्क फ्रंट की बात करें तो सारा अर्जुन जल्द ही 'धुरंधर 2' में रणवीर सिंह के साथ नजर आएंगी। यह फिल्म 19 मार्च को रिलीज होने वाली है।

### कौन होगा मेल लीड?

वहीं, मेल लीड के लिए रोहित सराफ का नाम चर्चा में है। हालांकि मेकर्स की ओर से अभी तक आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है, लेकिन अगर रोहित और सारा की जोड़ी बनती है तो उन्हें बड़े पर्दे पर रोमांस करते देखना दिलचस्प होगा। फिलहाल कास्टिंग प्रक्रिया जारी है।

## 'वृषकर्मा' में राक्षसी शक्ति का नाश करते नजर आए नागा चैतन्य

**एक्शन-एडवेंचर फिल्म के निर्देशक कार्तिक वर्मा दंडू की रहस्यमय थ्रिलर फिल्म 'वृषकर्मा' की पहली झलक सामने आ चुकी है। झलक में एक अंधेरी अलौकिक दुनिया को दर्शाया गया है, जहां एक रहस्यमय रेखाचित्र वास्तविकता में तब्दील हो जाते हैं, जो राक्षसी शक्तियों की ओर इशारा करते हैं।**

### फिल्म की खास झलक

इस फिल्म की खास झलक की शुरुआत एक डरावने सीन से होती है। एक कमरे में स्पर्श श्रीवास्तव एक अजीब चित्र बनाते नजर आते हैं और फिर अचानक उनके मुंह से चमगादड़ निकलता नजर आता है। इस सीन से पते चलता है कि यह फिल्म काफी डरावनी और रहस्यमयी पहलुओं पर बनी है।

### नागा चैतन्य की एंट्री

जब नागा चैतन्य की धमाकेदार एंट्री होती है। वे एक ऐसे खजाना खोजने वाले के रोल में हैं, जो पुरानी अंधेरी शक्तियों और रहस्यों से लड़ता है। उनका किरदार किसी राक्षसी ताकत का सामना करने के लिए चुना गया लगता है। कहानी में भाग्य और धर्म का कनेक्शन दिखता है। नागा चैतन्य का नया लुक और बॉडी ट्रांसफॉर्मेशन फैंस को काफी पसंद आ रहा है।

### कैसा है मीनाक्षी चौधरी का रोल

इस फिल्म में नागा के अलावा मीनाक्षी चौधरी मुख्य भूमिका में हैं। इस फिल्म में मीनाक्षी एक आर्कियोलॉजिस्ट के रोल में हैं और साथ ही इसकी कहानी के बड़े रहस्य को खोलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती नजर आ रही हैं। फिल्म 'वृषकर्मा' के बारे में 'वृषकर्मा' एक रहस्यमयी थ्रिलर फिल्म है, जिसे कार्तिक दांडू ने डायरेक्ट किया है। इसकी झलक में पौराणिक कहानियां, सुपरनैचुरल हॉरर और एक्शन का मजेदार मिश्रण है। इस फिल्म को बीवीएसएन प्रसाद ने बनाया है और सुकुमार ने पटकथा लिखी है। इसमें ब्रह्माजी, जरीन वहाब और जयराम जैसे कलाकार भी हैं।

# राज एंड डीके के अगले प्रोजेक्ट में सलमान खान की एंट्री?

'द फैमिली मैन', 'फर्जी' और 'गन्स एंड गुलाब' जैसी लोकप्रिय सीरीज के लिए मशहूर निर्देशक जोड़ी राज एंड डीके अपनी एक सुपरहीरो फिल्म लेकर आ रहे हैं। जिसमें सुपरहीरो की भूमिका सलमान खान निभाएंगे।

खबर के अनुसार, सलमान खान पिछले कुछ महीनों से निर्देशक जोड़ी राज एंड डीके के साथ किसी फिल्म को लेकर बात कर रहे हैं। यह एक खास सुपरहीरो कॉमेडी फिल्म हो सकती है, जो हॉलीवुड फिल्म 'हैनकॉक' (विल स्मिथ वाली) से मिलती-जुलती होगी।

### क्या सुपरहीरो की भूमिका में नजर आएंगे सलमान?

राज एंड डीके की इस फिल्म में सलमान एक ऐसे सुपरहीरो का रोल करेंगे, जो दुनिया को बार-बार बचाते-बचाते थक चुका है। वह अब रिटायर होना चाहता है और अपना सुपरहीरो का कपड़ा उतारना चाहता है। लेकिन मुश्किल हालात उसे बार-बार एक्शन में खींच लाते हैं और आखिर में वह एक बड़े मुकाबले में फंस जाता है। फिल्म में कॉमेडी और सुपरहीरो वाले मजेदार अंदाज के साथ भरपूर एक्शन होगा।

### सलमान को पसंद है फिल्म का आइडिया

सलमान निर्देशक राज एंड डीके की इस फिल्म के आइडिया से बेहद खुश हैं। वे स्क्रिप्ट का इंतजार कर रहे हैं और चाहते हैं कि फिल्म बहुत ज्यादा महंगी न बने। उन्होंने निर्देशकों से कहा है कि बजट को ध्यान में रखकर कहानी लिखें, कोई बहुत बड़े ड्रामे वाली फिल्म नहीं बनानी है। फिल्म की पूरी कहानी अप्रैल 2026 में सुनाई जाएगी। अगर सब ठीक रहा तो नवंबर 2026 से शूटिंग शुरू हो सकती है। इस फिल्म का प्रोडक्शन मिथ्री मूवी मेकर्स और रील लाइफ एंटरटेनमेंट मिलकर करेंगे। यह सलमान का राज-डीके के साथ पहला प्रोजेक्ट होगा। इससे पहले सलमान फिल्म 'बैटल ऑफ गलवां' में नजर आएंगे।

# अनुराग कश्यप ने किया अनिल कपूर की 'सूबेदार' का रिव्यू

## यह बड़े पर्दे के लिए बनाई गई है

एवरग्रीन एक्टर अनिल कपूर की हालिया रिलीज फिल्म 'सूबेदार' 5 मार्च को प्राइम वीडियो पर रिलीज हुई है। इसे क्रिटिक्स की मिली-जुली समीक्षाएं ही हासिल हुई हैं। हालांकि, अनिल कपूर के अभिनय की काफी सराहना हुई। अब फिल्म निर्माता अनुराग कश्यप ने भी फिल्म देखी है और इसकी समीक्षा की है। अनुराग कश्यप का मानना है कि इस फिल्म को सिनेमाघरों में रिलीज किया जाना चाहिए था। उन्होंने कलाकारों के अभिनय, एक्शन और फिल्म की सादगी की प्रशंसा की है।

### इसे बड़े पर्दे पर आना चाहिए था

अनुराग कश्यप ने 'सूबेदार' की तारीफ करते हुए अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा की है। इसमें उन्होंने फिल्म से अनिल कपूर की एक तस्वीर शेयर की है। इसके साथ ही फिल्म का रिव्यू करते हुए अनुराग ने लिखा, 'प्राइम वीडियो पर आई फिल्म 'सूबेदार' को सिनेमाघरों में रिलीज होना चाहिए था। इसे सिनेमाघरों में देखना मुझे बहुत अच्छा लगता। यह साफ तौर पर बड़े पर्दे के लिए एनामोर्फिक तकनीक से शूट की गई है, बड़े पर्दे के लिए ही बनाई गई है। सुरेश त्रिवेणी बुंदेलखंड/चंबल की एक जीवंत दुनिया रचते हैं, जिसमें पितृसत्ता और विशेषाधिकार का भाव साफ झलकता है। जहां महिलाएं पुरुषों के बराबर पितृसत्तात्मक हैं और जो नहीं हैं, वे भी पुरुषों की तरह संघर्ष करती हैं। ये पुरुष प्रधान बीहड़ इलाके हैं, जहां कभी फूलन देवी का जन्म हुआ था।'

निर्देशक ने आगे फिल्म के बारे में बात करते हुए कहा, 'दुनिया तब से बदली नहीं है, बल्कि और भी बदतर हो गई है। इसी दुनिया में हमारा सूबेदार आता है। जिस दुनिया ने पान सिंह तोमर को भी जन्म दिया, उसी दुनिया में यह पूर्व सैनिक पूरी तरह से असभ्य आम लोगों की दुनिया के खिलाफ खड़ा है। पूरी तरह से काल्पनिक, लेकिन इसे देखकर मुझे यकीन करने का मन करता है। तनाव (शोर कम करने वाले हेडफ़ोन लगाकर देखा) और दृढ़ता और खामोशी से भरपूर, और एक सुनियोजित गति के साथ। बहुत मजा आया, लेकिन अगर मैंने इसे दर्शकों से भरे थिएटर में देखा होता तो और भी ज्यादा आनंद आता।'

### कलाकारों के अभिनय को सराहा

कलाकारों के अभिनय की तारीफ करते हुए अनुराग कश्यप ने कहा कि अनिल कपूर ने इस फिल्म में भी अपने अंदर की आग को बरकरार रखा है। फैसल मलिक शानदार हैं, मोना सिंह क्या नहीं कर सकतीं और आदित्य रावल ने छोटे शहर के, सोशल मीडिया से प्रभावित एल्विस यादव जैसे खलनायक का किरदार बखूबी निभाया है। जिससे मुझे नफरत होने का मन करता है। आखिर में मुझे राधिका मदान को और देखना है, जोशीली और संवेदनशील, वो चमक उठीं। मेरे हमेशा भरोसेमंद कल्लू मामा की एक्टिंग फिल्म 2026 में देखना मेरे कैलेंडर में नहीं था। मजा आया सर।

### ये मेरी वाली कमर्शियल फिल्म है

अंत में टेक्निकल पक्ष की तारीफ करते हुए अनुराग ने कहा कि खूबसूरत दृश्यों की फोटोग्राफी, शानदार हाईवे चेज, शानदार एक्शन। ऐसे समय में जब हर कोई एक्शन के घिसे-पिटे पैटर्न को अपना रहा है, यहां की सादगी वाकई दिल को छू लेती है। इसमें शामिल सभी लोगों को बधाई। इसे एक बार जरूर देखें। खास बात- रणवीर का किरदार निभाने वाला अभिनेता शानदार है। ये मेरी वाली कमर्शियल फिल्म है।

# विपक्ष के सवाल पर मंत्री गजेन्द्र यादव ने विधानसभा में दिए जवाब



*नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग*

छत्तीसगढ़ विधानसभा में चल रहे बजट सत्र के 8वें दिन प्रश्नकाल के दौरान शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने विपक्ष के सवालों का प्रभावी और तथ्यात्मक जवाब दिया। विधानसभा के पटल पर सदस्यों द्वारा शिक्षा विभाग से जुड़े विभिन्न विषयों तथा जम्बूरी कैम्प से संबंधित प्रश्न पूछे गए, जिनका मंत्री गजेन्द्र यादव ने विस्तारपूर्वक और स्पष्ट रूप से उत्तर दिया।

मंत्री बनने के बाद पहली बार प्रश्नकाल में ही उन्होंने तथ्यों और आंकड़ों के साथ अपनी बात रखते हुए विभागीय कार्यों की स्थिति स्पष्ट की। उनके जवाबों की प्रभावशीलता और स्पष्टता को देखते हुए विपक्ष के सदस्यों ने भी उनकी सराहना की। कांग्रेस से खरसिया विधायक उमेश पटेल ने सदन में पूछा की बालोद जिले के दूधली में हुए स्काउट गाइड के रोवर रेंजर जंबूरी कार्यक्रम में किस-किस कार्य के लिए कितना कितना खर्च किया गया। सामग्री वार जानकारी मांगे। कौन से फर्म को कितने का टेंडर दिया गया। क्या शर्त तय करने के लिए समिति बनी थी। क्या चहेतों को लाभ दिलाने के लिए टेन्डर बदलने संबंधी शिकायत प्राप्त हुई है।

स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने बताया की बालोद जिले में हुए स्काउट गाइड के रोवर-रेंजर जंबूरी कार्यक्रम में क्रीडांगन (एरीना निर्माण), शौचालय निर्माण, जल व्यवस्था, प्रकाश व्यवस्था, ध्वनि व्यवस्था, आवास हेतु टेंट, कार्यक्रम हेतु डोम, बेरिकेट, भोजनालय एवं प्रिंटिंग आदि कार्य के लिये अद्यतन राशि रूपये 2,00,00,000.00 (अक्षरी दो करोड़ रूपये) मात्र का खर्च किया गया है। जानकारी संलग्न प्रपत्र अनुसार दिया। जम्बूरी कार्य के लिए मेसर्स अमर भारत किराया भण्डार रायपुर को राशि रूपये 5,18,88,860.00 (अक्षरी पाँच करोड़ अठ्ठारह लाख अठ्ठासी हजार आठ सौ साठ रूपये मात्र) का टेंडर दिया गया था। शर्त तय करने के लिए समिति का गठन किया गया था। इस कार्य हेतु किसी भी फर्म को लाभ दिलाने के लिए टेन्डर बदलने संबंधी शिकायत प्राप्त नहीं हुई है।

अहिवारा विधायक डोमनलाल कोर्सेवाड़ा ने सदन में सवाल किया की प्रदेश के कितने स्कूलों को वोकेशनल कोर्स की सामग्री खरीदी के लिये वर्ष 2024-25 से 31 जनवरी 2026 तक की अवधि तक में समग्र शिक्षा मिशन में कितनी कितनी राशि जारी की गई है, इसका उन्होंने जिलेवार ब्यौरा मांगे।

स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने सदन में जवाब देते हुए बताया की प्रदेश में सत्र 2024-25 में स्कूलों को वोकेशनल कोर्स की सामग्री खरीदी के लिये कोई भी राशि जारी नहीं की गयी है। सत्र 2025-26 में 1285 स्कूलों को वोकेशनल कोर्स के लिये ऑफिस एक्स्पेंसेस-कोंटिजेंसी मद में प्रति विद्यालय 02-02 लाख आहरण सीमा जारी की गई थी। जिलेवार ब्योरा प्रस्तुत किये। क्रमशः दूसरे सवाल के जवाब में मंत्री गजेन्द्र यादव ने बताया की स्कूलों द्वारा भण्डार कय नियमों का पालन सुनिश्चित नहीं किए जाने की या बाजार मूल्य से अधिक राशि पर खरीदी करने की शिकायतें स्थानीय समाचार पत्रों में प्रकाशित हुई है। इसे दृष्टिगत रखते हुए राज्य स्तर पर 06 सदस्यीय जांच समिति का गठन किया गया है। वतर्मान में जांच प्रक्रियाधीन है।

## विद्या विहार में पुलिस की इस कार्रवाई की लोगों ने की सराहना - देविंदर सिंह भाटिया



*नई दृष्टिबिंदु / भिलाई*

नगर पालिक निगम दुर्ग के अंतर्गत आने वाली विद्या विहार कॉलोनी में पुलिस द्वारा देह व्यापार के रैकेट का भंडाफोड़ किए जाने पर नेहरू नगर रेसिडेंट्स एसोसिएशन ने महिला रक्षा टीम और स्मृति नगर पुलिस की संयुक्त कार्रवाई का स्वागत किया है। एसोसिएशन के महासचिव देविंदर सिंह भाटिया ने पुलिस की इस त्वरित रेड और आरोपियों की गिरफ्तारी की सराहना करते हुए कहा कि अनैतिक देह व्यापार (निवारण) अधिनियम के तहत की गई यह कार्रवाई क्षेत्र की सुरक्षा और शांति के लिए अत्यंत आवश्यक थी।

महासचिव श्री भाटिया ने गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि नेहरू नगर, स्मृति नगर, विद्या विहार, प्रियदर्शनी परिसर, मॉडल टाउन, जुनवानी, राधिका नगर और दीक्षित कॉलोनी का यह क्षेत्र प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों, हॉस्पिटल्स, मॉल्स और हॉस्टल्स के मध्य स्थित है, जहाँ हजारों छात्र और मरीज के परिजन निवास करते हैं। ऐसे संवेदनशील 'एजुकेशन हब' में देह व्यापार जैसी अनैतिक गतिविधियां और सार्वजनिक स्थानों पर बढ़ती खुले में मदिरा सेवन की घटनाएं न केवल सामाजिक वातावरण को दूषित करती हैं, बल्कि यहाँ रहने वाले युवाओं और परिवारों की सुरक्षा पर भी गंभीर सवाल खड़ा करती हैं। इस गरिमापूर्ण क्षेत्र की पहचान बनाए रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

एसोसिएशन ने स्थानीय निवासियों और मकान मालिकों से अपील की है कि वे किसी को भी कमरा, घर या दुकान किराए पर देने से पहले किराएदार की पृष्ठभूमि की सघन जांच करें और कानूनी कंडिकाओं (Clauses) के साथ विधिवत किरायानामा तैयार करें। किराएनामे की एक प्रति अनिवार्य रूप से पुलिस थाने में जमा की जानी चाहिए। इसके साथ ही, किराएदार को मकान देने के बाद कम से कम दो महीने तक उनकी गतिविधियों और वहां आने-जाने वाले संदिग्ध लोगों पर पैनी नजर रखना नितांत आवश्यक है, ताकि किसी भी अप्रिय घटना को समय रहते रोका जा सके।

अंत में, एसोसिएशन ने पुलिस प्रशासन से विशेष निवेदन किया है कि क्षेत्र में संचालित हुक्का बार, ड ड होटल्स, पार्किंग स्थलों, स्पा, मसाज सेंटर और हॉस्टल्स जैसे स्थानों की नियमित निगरानी की जाए। श्री भाटिया ने मांग की है कि इन सभी व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के संचालकों के लिए स्टाफ और किराएदारों का पूर्ण विवरण पुलिस थाने में अनिवार्य रूप से जमा कराना सुनिश्चित किया जाए। नेहरू नगर रेसिडेंट्स एसोसिएशन ने स्पष्ट किया कि वे क्षेत्र को अपराध मुक्त बनाने के लिए पुलिस के साथ मिलकर हर संभव सहयोग करने के लिए तत्पर हैं।

## बीएसपी में एक साथ दो उपलब्धियाँ: बीएफ-8 और बीआरएम में उत्पादन का नया कीतिर्मान

*नई दृष्टिबिंदु / भिलाई*

सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र (बीएसपी) ने परिचालन दक्षता की दिशा में एक साथ दो महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ दर्ज की हैं। संयंत्र के ब्लास्ट फर्नेस-8 (महमाया) ने 20 मिलियन टन (एमटी) हॉट मेटल के संचयी उत्पादन का ऐतिहासिक मील का पत्थर हासिल किया है, वहीं बार एंड रॉड मिल (बीआरएम) ने चुनौतीपूर्ण 12 मिमी टीएमटी बार श्रेणी में नया दैनिक उत्पादन रिकॉर्ड स्थापित किया है। निदेशक प्रभारी, भिलाई इस्पात संयंत्र चित्त रंजन महापात्र, कार्यपालक निदेशक (वर्क्स) राकेश कुमार तथा संयंत्र के शीर्ष प्रबंधन ने ब्लास्ट फर्नेस और बीआरएम बिरादरी को इस उत्कृष्ट उपलब्धि के लिए बधाई दी।

ब्लास्ट फर्नेस-8 (महमाया) ने 10 मार्च 2026 को 20 मिलियन टन हॉट मेटल उत्पादन का लक्ष्य हासिल किया। इस फर्नेस का 2 फरवरी 2018 को प्रचालन प्रारंभ हुआ था और मात्र 2,959 दिनों में यह उपलब्धि प्राप्त कर ली गई। इस प्रकार अपनी क्षमता वर्ग के अंतर्गत यह फर्नेस अपने समकक्ष इकाइयों में सबसे तेजी से 20 एमटी उत्पादन तक पहुँचने वाला फर्नेस बन गया है। उल्लेखनीय है कि 19 एमटी से 20 एमटी तक की यात्रा केवल 123 दिनों में पूरी की गई, जो इसकी उत्कृष्ट परिचालन दक्षता और निरंतरता को दर्शाता है।

इस उपलब्धि के उपलक्ष्य में बीएफ-8 के सेंट्रल कंट्रोल रूम (सीसीआर) में केक काटकर उत्सव मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक (ब्लास्ट फर्नेस) मनोज कुमार ने ब्लास्ट फर्नेस टीम के साथ इस उपलब्धि का उत्सव मनाया। टीम के साथ संवाद करते हुए मुख्य महाप्रबंधक मनोज कुमार ने कहा कि यह मील का पत्थर ब्लास्ट फर्नेस टीम की तकनीकी दक्षता और परिचालन उत्कृष्टता का सशक्त प्रमाण है। उन्होंने टीम के समर्पण और निरंतर बेहतर प्रदर्शन की सराहना करते हुए उन्हें सुरक्षा के उच्चतम मानकों के साथ और अधिक उत्पादकता हासिल करने के लिए प्रेरित किया। इसी क्रम में एक अन्य उल्लेखनीय उपलब्धि दर्ज करते हुए बार एंड रॉड मिल (बीआरएम) ने 8 मार्च 2026 को 12 मिमी टीएमटी बार श्रेणी में 3,405 टन (1,653 बिलेट) उत्पादन कर नया डे रिकॉर्ड स्थापित किया। इससे पहले 4 अक्टूबर 2025 को 3,390 टन (1,646 बिलेट) का रिकॉर्ड दर्ज किया गया था।

उल्लेखनीय है कि बीआरएम के उत्पाद वतर्मान में कई प्रतिष्ठित राष्ट्रीय परियोजनाओं में उपयोग किए जा रहे हैं, जिनमें सेंट्रल विस्टा प्रोजेक्ट, बुलेट ट्रेन परियोजना, अयोध्या स्थित श्रीराम मंदिर तथा सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) द्वारा निष्पादित विभिन्न परियोजनाएँ शामिल हैं। मुख्य महाप्रबंधक एवं विभागाध्यक्ष योगेश शास्त्री ने इस उपलब्धि को टीमवर्क और सतत सुधार की संस्कृति का परिणाम बताया। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि मिल भविष्य में भी ऐसे नए मानक स्थापित करती रहेगी। साथ ही उन्होंने प्रबंधन, कमर्चारियों, यूनियनों तथा सहयोगी विभागों के प्रति उनके निरंतर सहयोग और समर्थन के लिए आभार भी व्यक्त किया।

इस अवसर पर महाप्रबंधक एस. एन. त्रिपाठी, महाप्रबंधक आशीष, महाप्रबंधक शाश्वत मोहंती, महाप्रबंधक समीर पांडेय तथा महाप्रबंधक शिखर तिवारी सहित बीआरएम के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने भी मिल परिवार को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी।

## सदन में गूंजा विधायक रिकेश की सुरक्षा का मुद्दा, विपक्ष का हंगामा और बहिर्गमन



**विधानसभा सत्र**

### विधायक बोले- षड्यंत्रकारियों से नहीं डरता, साय सरकार के सुशासन पर है अटूट भरोसा

*नई दृष्टिबिंदु / भिलाई*

छत्तीसगढ़ विधानसभा के बजट सत्र के दौरान नेता विपक्ष चरणदास महंत, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और विधायक उमेश पटेल ने वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन के विरुद्ध पिछले दो वर्षों से रचे जा रहे गंभीर षड्यंत्रों और उनकी 'राजनीतिक हत्या' के प्रयासों का खुलासा करने वाले वीडियो के सामने आने के बाद विधायक की सुरक्षा को लेकर हंगामा, नारेबाजी और सदन से बहिर्गमन किया।

इस विषय पर विधायक रिकेश सेन ने कहा कि जो लोग पिछले दो सालों से उन्हें बलात्कार और महादेव सट्टा जैसे झूठे और घृणित मामलों में फंसाने, उनका राजनीतिक जीवन समाप्त करने की साजिश रच रहे थे, उनको लेकर सदन में मेरी 'सुरक्षा' को लेकर चिंता जताई गई है। मैं सदन को आश्वस्त करता हूं कि जनता के स्नेह, मुख्यमंत्री विष्णुदेव के न्यायप्रिय सुशासन और प्रदेश के कर्मठ गृहमंत्री विजय शर्मा की कार्यप्रणाली पर पूरा भरोसा है। छत्तीसगढ़ पुलिस आज स्वतंत्र और निष्पक्ष होकर कार्य कर रही है। अब प्रदेश में मफियाराज या षड्यंत्रकारी राज नहीं, बल्कि 'कानून का राज' है इसलिए साजिशकर्ताओं के मनसूबे लगातार पस्त होते रहे हैं।

एक घंटे बाद विपक्ष ने सदन में पुनः इस मुद्दे को उठाया तो संसदीय कायर्मंत्री ने उन्हें आश्वस्त किया कि विधायक की सुरक्षा को लेकर इस मामले को संज्ञान में ले लिया गया है। विधायक रिकेश सेन ने सदन में अपना पक्ष भी रखा है। इस विषयक आवश्यक इंतजाम किए जाएंगे। आपको बता दें कि छत्तीसगढ़ विधानसभा बजट सत्र के आठवें दिन शून्यकाल में विपक्षी सदस्यों ने सत्ता पक्ष के विधायक रिकेश सेन को मिली जान से मारने की धमकी का मुद्दा उठाया। इस पर आसंदी के व्यवस्था देने से इंकार करने पर विपक्ष ने सदन की कार्यवाही का बहिष्कार किया।

शून्यकाल में भाजपा विधायक रिकेश सेन को मिली जान से मारने की धमकी का मुद्दा उठाते हुए पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि मैंने कल ही सदन इस पर गृहमंत्री का ध्यान आकृष्ट कराया था लेकिन इस मामले में अभी तक सरकार की ओर से वक्तव्य नहीं आया है। इस पर कांग्रेस विधायक उमेश पटेल ने आसंदी से व्यवस्था देने की मांग की। विपक्षी विधायकों ने कहा कि यह गंभीर मामला है, सरकार या विधायक रिकेश सेन का जवाब आना चाहिए। आसंदी ने व्यवस्था देने से इंकार करते हुए कहा कि सरकार के ध्यान में बात आ गई है, व्यक्तव्य की जरूरत नहीं है। इस पर भूपेश बघेल ने कहा कि जब तक जवाब नहीं आता, विपक्ष कार्यवाही में भाग नहीं लेगा।

मामले में भाजपा विधायक रिकेश सेन ने जवाब देते हुए कहा कि बिना सही जानकारी बहिष्कार करना सही नहीं। मैं यह स्पष्ट करना चाहता हूँ। मेरी सुरक्षा को लेकर सरकार चिंतित है। मैं अपनी सुरक्षा को लेकर पूरी जानकारी सरकार को और संसदीय कार्यमंत्री को दे दी है। इसलिए इसे इसे लेकर राजनीति करनी ठीक नहीं है। श्री सेन ने अपने वक्तव्य में सदन को धन्यवाद देते हुए कहा कि वैशाली नगर की जनता के हक की लड़ाई और क्षेत्र के विकास के लिए बिना डरे काम करते रहेंगे। भ्रष्टाचार और अपराधियों के खिलाफ उनकी आवाज को कोई भी फर्जी एफआईआर या राजनीतिक साजिश नहीं दबा सकती।

# कमला कॉलेज में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस धूमधाम से मनाया

*नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव*

शासकीय कमलादेवी राठी महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजनांदगांव में आईक्यूएसी एवं महिला प्रकोप्ठ के संयुक्त तत्वाधान में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन 9 मार्च 2026 को सुश्री अंकिता शर्मा, पुलिस अधीक्षक राजनांदगांव के आतिथ्य में किया गया।

सर्वप्रथम प्राचार्या डा. अंजली अवधिया ने अपने स्वागत उद्बोधन में उपस्थित समस्त छात्राओं एवं महिला प्राध्यापक-कमर्चारी को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की बधाई एवं शुभकामनाएं दी। यह दुनियाभर में नारीत्व के उत्सव की याद दिलाता है। आज का दिन उन महिलाओं को समर्पित है, जिन्होंने आर्थिक समाजिक, राजनीतिक एवं खेल के क्षेत्र में उपलब्धियां प्राप्त की है। इतिहास गवाह है कि नारी ने हमेशा से परिवार संचालन का उत्तरदायित्व संभालते हुये समाज निर्माण में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है।




मुख्य अतिथि, सुश्री अंकिता शर्मा, पुलिस अधीक्षक ने महिलाओं को अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने व आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा दी। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि दृढ इच्छाशवित हो तो कोई भी काम मुश्किल नहीं होता एवं महिला-पुरूप में सिर्फ बायोलॉजीकल अंतर होता है, इसके अलावा महिलाएं किसी भी क्षेत्र में पुरूप से कमजोर नहीं है। आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर महिलाओं का समाज में सम्मान होता है एवं घरेलू महिलाएं भी गृह उद्योग के कार्य जैसे आचार, पापड, बड़ी बनाना एवं सिलाई आदि कार्य करके आर्थिक रूप से परिवार को सहयोग प्रदान कर सकती है एवं आत्मनिर्भर हो सकती है।

कार्यक्रम का सफल संचालन करते हुये डॉ. नीता एस. नायर ने कहा कि आज भी दुनियाभर में महिलाएं पुरूषों की तुलना में कम वेतन एवं अधिकार पाती है। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस हमें याद दिलाती है कि प्रगति हुई है लेकिन मंजिल अभी दूर है।

कार्यक्रम में महिला प्रकोष्ठ की संयोजक डॉ. युगेश्वरी साहू, श्रीमती रामकुमारी धुर्वा, श्रीमती नीलम राम धनसाय, डॉ. मोना माखीजा उपस्थित थे। कार्यक्रम के अंत में आईक्यूएसी के प्रभारी डॉ. बसंत कुमार सोनबेर, मुख्य अतिथि, प्राचार्य, समस्त महिला प्राध्यापक एवं छात्राओं को महिला दिवस की शुभकामना देते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।

## जिला स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) प्रबंधन समिति की बैठक 19 को

*नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग*

जिला पंचायत मुख्य कायर्पालन अधिकारी से प्राप्त जानकारी अनुसार जिला स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) प्रबंधन समिति की बैठक कलेक्टर की अध्यक्षता में 19 मार्च को शाम 5 बजे कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आयोजित की गई है। बैठक में एजेंडा-व्यक्तिगत शौचालयों, सामुदायिक शौचालय, महतारी सदन में शौचालय निर्माण की समीक्षा, ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन, स्वच्छाग्राही मानदेय, प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट इकाई, बर्तन बैंक, फिकल स्लज मैनेजमेंट, सोकपिट निर्माण की समीक्षा की जाएगी। इसके साथ ही ग्राम पंचायत के खाते में उपलब्ध अनुपयोगी राशि के लेखा परीक्षण, वित्तीय प्रगति, स्वच्छ भारत कोष अंतर्गत चिन्हांकित ग्राम पर चर्चा, वार्षिक काययीजना के अनुमोदन पर चर्चा की जाएगी। उक्त बैठक में संबंधित अधिकारियों को उपस्थित होने कहा गया है।

## निधन

### श्रीमती मोहनी साहू

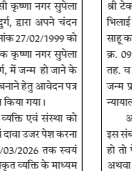



**राजनांदगांव।** सोमनी निवासी श्रीमती मोहनी साहू का गुरुवार को आकस्मिक निधन हो गया है। वे लगभग 89 वर्ष की थी। उनका अंतिम संस्कार आज दोपहर 12:00 बजे, ईरा खार स्थित सोमनी के मुक्तिधाम में हुआ। ईश्वर से प्राथर्ना है कि दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें एवं शोक संतप्त परिवार को इस दुख को सहन करने की शक्ति दें। वे बुधारू साहू, कन्हैया साहू एवं सुखदेव साहू की माताजी थीं। वे अपने पीछे भरापूरा परिवार छोड़ गईं।

**न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई नगर, तहसील व जिला दुर्ग**

**-:: ईश्तहार::-**

रा०प्र०के०/202602101000230 / अ-5/ वर्ष 2025-26

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका/आवेदक जयराम कुकरेजा पिता खियालदास निवासी शांति नगर कोहका भिलाई द्वारा प.ह.नं. 45 रा.नि.मं. जेवरा सिरसा तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि स्वामी हक की भूमि पुराना ख.नं. 596/26 का दु. रकबा 0.022 हे. भूमि रजिस्टर्ड बैनामा के माध्यम से कय किया गया था। बंदोबस्त पश्चात नया खसरा नं 1355/12 है। बंदोबस्त पश्चात हुई त्रुटि को सुधार किये जाने हेतु न्यायालय में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतः उपरोक्त भूमि में बंदोबस्त त्रुटि सुधार के किये जाने के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 20/03/2026 तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पत्र पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 25/02/2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से जारी किया गया है।

**अतिरिक्त तहसीलदार**
**भिलाई नगर**

**न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई नगर, तहसील व जिला दुर्ग (छ.ग.)**

**ईश्तहार**

रा.प्र.क..202603161000028-ब-121 वर्ष 2025-26

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदक डुमेश्वरी साहू आ. / ध.प श्री टेकराम साहू निवासी कृष्णा नगर सुपेला भिलाई तह. व जिला दुर्ग, द्वारा अपने चंदन कुमार साहू का जन्म दिनांक 27/02/1999 को मकान क्र. 09 दुर्गा चौक कृष्णा नगर सुपेला भिलाई तह. व जिला दुर्ग, में जन्म हो जाने के कारण जन्म प्रमाण पत्र बनाने हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया।

अतः जिस किसी व्यक्ति एवं संस्था को इस संबंध में आपत्ति एवं दावा उजर पेश करना हो तो पेशी दिनांक 25/03/2026 तक स्वयं अथवा अपने द्वारा अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति दावा या उजर प्रस्तुत कर सकते हैं। बाद में प्राप्त आपत्ति आवेदन पर कोई कायर्वाही नही किया जावेगा।

आज दिनांक 10/03/2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के पदमुद्रा से प्रकाशन हेतु जारी किया गया है।

**अतिरिक्त तहसीलदार**
**भिलाई नगर**

**न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई नगर, तहसील व जिला दुर्ग (छ.ग.)**

**ईश्तहार**

रा.प्र.क..202603161000027-ब-121 वर्ष 2025-26

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदक डुमेश्वरी साहू आ. / ध.प श्री टेकराम साहू निवासी कृष्णा नगर सुपेला भिलाई तह. व जिला दुर्ग, द्वारा अपने टिकेश्वरी साहू का जन्म दिनांक 15/01/2004 को मकान क्र. 09 दुर्गा चौक कृष्णा नगर सुपेला भिलाई तह. व जिला दुर्ग, में जन्म हो जाने के कारण जन्म प्रमाण पत्र बनाने हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया।

अतः जिस किसी व्यक्ति एवं संस्था को इस संबंध में आपत्ति एवं दावा उजर पेश करना हो तो पेशी दिनांक 25/03/2026 तक स्वयं अथवा अपने द्वारा अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति दावा या उजर प्रस्तुत कर सकते हैं। बाद में प्राप्त आपत्ति आवेदन पर कोई कायर्वाही नही किया जावेगा।

आज दिनांक 10/03/2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के पदमुद्रा से प्रकाशन हेतु जारी किया गया है।

**अतिरिक्त तहसीलदार**
**भिलाई नगर**

# जनरेशन कंपनी और भारतीय स्टेट बैंक के बीच अनुबंध, विद्युत कर्मचारियों के लिए आकर्षक पैकेज

*नई दृष्टिबिंदु / रायपुर*

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी अपने नियमित कर्मचारियों के लिए उन्नत बैंक सुविधाओं और बीमा सुविधा का संयुक्त सौगात ले कर आए हैं। जिसमें कर्मचारियों को इन सुविधाओं के लिए अलग से अतरिक्त प्रीमियम नहीं देने होगा। जनरेशन कंपनी ने भारतीय स्टेट बैंक के साथ कॉरपोरेट सैलरी पैकेज का अनुबंध करार किया है। इस अवसर पर उपस्थित कार्यपालक निदेशक वित्त जनरेशन संदीप मोदी ने बताया कि प्रबंधन ने अपने कर्मचारियों के सुरक्षा, सुविधा और कल्याण को प्राथमिकता देते हुए यह महत्वपूर्ण कदम लिया है। कॉरपोरेट सैलरी पैकेज के तहत कर्मचारी बैंकिंग की आधुनिक सुविधाओ का लाभ एक क्लिक से ले सकेंगे।

व्यक्तिगत दुर्घटना में 10 लाख एवं हवाई यात्रा दुर्घटना में 50 से 100 लाख तक का कवरेज उपलब्ध है। इसके अलावा एड ऑन कवरेज की भी सुविधा प्रदान किया जाएगा। प्लास्टिक सर्जरी इन बर्न, इंपोर्ट ऑफ मेडिसिन, एयर एम्बुलेंस जैसे आधुनिक सुविधा कर्मचारियों को मिलेगी।

बैंक द्वारा मेक माई ट्रिप, अमेजन प्राइम, जिम की सदस्यता, लाउंज, बुक माई शो जैसे डिजिटल सुविधाएं भी दिया जाएगा जिससे व्यक्ति घर बैठे एक क्लिक से त्वरित भुक्तान कर सकता है। यह सुविधा सैलरी अनुसार चार श्रेणी में विभाजित है। सुविधा का प्रकार और आकार सैलरी अनुरूप होगा।

श्री मोदी का कहना है कि बैंकों का चयन पूर्णतः कर्मियों के अधिकार क्षेत्र में है। हम केवल कर्मियों के लिए सर्वाधिक सुविधा युक्त बैंक का विकल्प दे रहे हैं। जिसका लाभ सभी को मिल सके। यह अनुबंध कर्मचारियों के साथ उनका परिवार के लिए भी सुरक्षा कवच साबित होगा। नए पैकेज से विद्युत कर्मचारियों को भी काफी राहत मिलेगी। विद्युत कर्मचारियों में हर्ष का वातावरण हैं।

## राज्य नीति आयोग के उपाध्यक्ष गणेश शंकर मिश्रा से मुख्यमंत्री के सलाहकार डॉ. धीरेंद्र तिवारी ने की सौजन्य मुलाकात



*नई दृष्टिबिंदु / रायपुर*

छत्तीसगढ़ राज्य नीति आयोग के नवनियुक्त उपाध्यक्ष गणेश शंकर मिश्रा से मुख्यमंत्री के सलाहकार (योजना, नीति, कृषि एवं ग्रामीण विकास सलाहकार) डॉ. धीरेंद्र तिवारी ने सौजन्य मुलाकात की। इस दौरान प्रदेश के समग्र विकास तथा विजन-2047 के तहत छत्तीसगढ़ के भविष्य की विकास योजनाओं को लेकर दोनों के बीच विस्तृत चर्चा हुई।

छत्तीसगढ़ राज्य नीति आयोग के उपाध्यक्ष और मुख्यमंत्री के सलाहकार डॉ. धीरेंद्र तिवारी ने राज्य के आर्थिक, सामाजिक तथा बुनियादी ढांचे के विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विचार-विमर्श किया । साथ ही जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और दीघर्कालिक विकास रणनीतियों पर भी चर्चा की गई। दोनों ने प्रदेश के समावेशी और सतत विकास के लिए समन्वित प्रयासों को आगे बढ़ाने पर जोर दिया।

## जंगलों में सर्च आपरेशन अभियान जारी

**कांकेर।** कांकेर नारायणपुर सीमावर्ती क्षेत्र के जंगल पहाड़ों में माओवादियों की मौजूदगी की जानकारी के आधार पर सुरक्षाबलों की संयुक्त टीम ने सर्च ऑपरेशन शुरू किया। सर्च अभियान के दौरान आज सुबह से पुलिस टीम और माओवादियों के बीच रुक-रुक कर फायरिंग हुई। चूंकि अभियान अभी भी जारी है, इसलिए मुठभेड़ के स्थान, ऑपरेशन में शामिल सुरक्षाबलों की संख्या तथा अन्य संवेदनशील जानकारी इस समय साझा नहीं की जा सकती, ताकि ऑपरेशन में लगे जवानों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

# भिलाई निगम में जमीन नीलामी पर सियासी बवाल : महापौर नीरज पाल का बड़ा आरोप

**शासन की अनुमति बिना आयुक्त ने निकाली नीलामी, एमआईसी और सामान्य सभा के अधिकारों पर अतिक्रमण**

*नई दृष्टिबिंदु / भिलाई*

नगर पालिक निगम भिलाई में निगम की जमीनों की नीलामी को लेकर सियासी घमासान तेज हो गया है। महापौर नीरज पाल ने बड़ा आरोप लगाते हुए कहा है कि निगम आयुक्त ने राज्य शासन की अनुमति के बिना ही संजय नगर मैदान सहित अन्य जमीनों की नीलामी के लिए सार्वजनिक निविदा जारी कर दी, जो न केवल नियमों के खिलाफ है बल्कि एमआईसी और सामान्य सभा के अधिकारों का भी सीधा उल्लंघन है।

महापौर ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि सोशल मीडिया और कुछ समाचार पत्रों के माध्यम से संजय नगर मैदान और अन्य निगम जमीनों को लेकर भ्रम फैलाया जा रहा है, जबकि वास्तविकता इससे बिल्कुल अलग है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सत्र 2021-22 में निगम की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने और शहर के विकास कार्यो को गति देने के उद्देश्य से महापौर परिषद ने निगम की व्यावसायिक जमीनों को 30 साल की लीज पर देने का प्रस्ताव पारित किया था। इस प्रस्ताव को शासन की स्वीकृति के लिए भेजा गया था, लेकिन अब तक अनुमति प्राप्त नहीं हुई है।

### बिना अनुमति निकली निविदा - महापौर ने उठाए सवाल

महापौर का आरोप है कि शासन से स्वीकृति नहीं मिलने के बावजूद आयुक्त ने अपने स्तर पर जमीनों की नीलामी के लिए निविदा आमंत्रित कर दी। उन्होंने इसे निगम की लोकतांत्रिक व्यवस्था और परिषद के अधिकारों पर अतिक्रमण बताया। महापौर ने यह भी कहा कि बाद में स्थानीय विधायक के दबाव में नीलामी निरस्त करने की घोषणा करना शासन और निगम व्यवस्था दोनों का अपमान है।

### संजय नगर मैदान को बचाने की पहल

महापौर ने कहा कि संजय नगर मैदान की सामाजिक, खेल और सांस्कृतिक उपयोगिता को देखते हुए अब परिषद भी इसे संरक्षित करने के पक्ष में है। इसके लिए शासन को पत्र लिखकर भूमि का भू-उपयोग व्यवसायिक से बदलकर खेल और सांस्कृतिक गतिविधियों के लिए सुरक्षित रखने की मांग की जाएगी।

### राधिका नगर और वार्ड-4 के कामों पर भी सवाल

महापौर ने निगम आयुक्त पर अन्य मामलों में भी नियमों की अनदेखी का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि राधिका नगर में 4.50 करोड़ रुपये के कार्यों की स्वीकृति, वार्ड क्रमांक-4 में 21.54 करोड़ रुपये के विकास कार्यों की मंजूरी, बिना एमआईसी और सामान्य सभा में लाए ही दे दी गई, जो पूरी तरह नियम विरुद्ध है।

### दशहरा मैदान को लेकर भी फैलाई जा रही अफवाहें

महापौर ने स्पष्ट किया कि शांति नगर दशहरा मैदान को बेचने का कोई निर्णय नहीं लिया गया है। उन्होंने कहा कि मैदान के संरक्षण और बेहतर रखरखाव के लिए संस्थानों से रुचि की अभिव्यक्ति मांगी गई थी, लेकिन इसे जमीन बेचने के रूप में प्रचारित किया जा रहा है।

### विधायक को भी घेरा

महापौर ने स्थानीय विधायक पर भी निशाना साधते हुए कहा कि वे स्वयं कई बार पार्षद रह चुके हैं और अच्छी तरह जानते हैं कि नगर निगम को जमीन बेचने का अधिकार ही नहीं है, इसके बावजूद परिषद पर आरोप लगाना राजनीतिक बयानबाजी है।

### कलेक्टर और शासन से शिकायत की चेतावनी

महापौर नीरज पाल ने कहा कि आयुक्त के कथित विधि-विरुद्ध कार्यों की शिकायत कलेक्टर और राज्य शासन से की जाएगी। जरूरत पड़ने पर इस मामले को उच्च न्यायालय तक ले जाने की भी चेतावनी दी गई है।

## महिलाएं आज हर क्षेत्र में आगे-चंद्राकर

*नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग*

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिला एवं बाल विकास विभाग के एकीकृत बाल विकास परियोजना दुर्ग ग्रामीण के द्वारा नगर पंचायत उतई के मंगल भवन में परियोजना स्तरीय वृहत महतारी वंदन सम्मेलन का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विधायक ललित चंद्राकर रहे तथा विशेष अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष सरस्वती बंजारे, नगर पंचायत अध्यक्ष सरस्वती साहू एवं अन्य अतिथि जिला पंचायत सदस्य श्रद्धा साहू, सुश्री प्रिया साहू, माया बेलचन्दन भूतपूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष, जनपद पंचायत अध्यक्ष कुलेश्वरी देवांगन, जनपद सदस्य झमित गायकवाड़, उतई वार्ड पार्षद संगीत रजक, लता सोनवानी, विजयलक्ष्मी साहू उपस्थित रहे।

परियोजना अधिकारी श्रीमती उषा झा के द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाये जाने के उद्देश्य के बारे में जानकारी दी गई। पयर्वेक्षक प्रमिला वर्मा के द्वारा महिलाओं को सशक्त बनाने हेतु महिला बाल विकास विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी प्रदान की गई। विधायक दुर्ग ग्रामीण ने अपने उद्बोधन में कहा कि महिलाएं आज हर क्षेत्र में आगे हैं कोई भी ऐसा क्षेत्र नहीं है जहां बेटियों ने परचम ना लहराया हो उन्होंने कहा कि एक नारी शिक्षित होती है तो दो परिवार और पूरा समाज शिक्षित होता है।

जिला पंचायत अध्यक्ष सरस्वती बंजारे ने महिलाओ को उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किए जाने को सराहनीय प्रयास बताया। महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से महिला कोष से एकता महिला स्व सहायता समूह उमरपोटी तथा मां कर्मा स्व सहायता समूह मचांदुर को चार चार लाख का ऋण कार्यक्रम अंतर्गत प्रदान किया गया। कार्यक्रम में छोटे छोटे बच्चों भूमिका दीक्षिता विद्या सविता उपासना डिंपल खुशी एकलव्य ऋषिका भूमि माही रागिनी चांदनी हेजल दीपिका चेतन उर्मी द्वारा मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। महिलाओं के लिए विभिन्न खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया तथा विजेता प्रतिभागी को पुरस्कृत किया गया।कुर्सी दौड़ में प्रथम पुरस्कार अन्नपूर्णा द्वितीय ममता साहू तृतीय प्रेमलता बंजारे को मिला।

कार्यक्रम में पोषण विशेषज्ञ डॉ निशा शर्मा, शिक्षा क्षेत्र में सुभाषिनी झा, अधिवक्ता प्रिया साहू, स्वास्थ्य विभाग डॉ ज्योति ध्रुव, सुमिता घोस, राजस्व विभाग तहसीलदार क्षमा यदु, पुलिस विभाग संगीता मिश्रा उपनिरिक्षक, यामिता साहू, मोनी रावटे, सरस्वती ठाकुर, अनीता सिंग, पुष्पा ठाकुर, दीपक साहू, बिंदु बंजारे, जनपद पंचायत से कार्यक्रम अधिकारी गौरा मिश्रा, आँगनबाड़ी कार्यकर्त्ता गजेश्वरी साहू सुनीता चंदेल जानकी निषाद सरस्वती गौतम दीपिका चौहान दुर्गा नारंग नेमा साहू माद्री ठाकुर पूणिर्मा देशमुख आंगनवाड़ी सहायिका हेमलता साहू चुरामणि साहू फागेश्वरी साहू उमाबाला देवागन जुलेखा बेगम सरस्वती सोभने हेमा डहरिया दुलेशवरी साहू मालती साहू को प्रमाण पत्र मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया गया। परियोजना अधिकारी श्रीमती ऊषा झा द्वारा सभी अतिथियों को शॉल नारियल एवं मोमेंटो से सम्मानित किया गया।

## नगर निगम भिलाई ने अवैध अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही

*नई दृष्टिबिंदु / भिलाई*

नगर पालिक निगम भिलाई के आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय के प्रातः भ्रमण के दौरान दिये गये निर्देशानुसार अवैध अतिक्रमण तत्काल हटाने की कार्यवाही की गई। निगम आयुक्त के प्रातः निरीक्षण के दौरान देखा गया कि अज्ञात व्यक्ति द्वारा निगम स्वामित्व की जमीन पर अवैध अतिक्रमण कर क्रिकेट कोर्ट बनाया जा रहा था।

इस पर निगम आयुक के निर्देशानुसार तत्काल कार्यवाही करते हुए जोन-3 आयुक्त, राजस्व विभाग एवं बेदखली टीम द्वारा बेदखली की कारर्वाई की गई है। टीम ने अवैध अतिक्रमण हटाकर निगम की जमीन को मुक्त कराया। आयुक्त ने कहा कि निगम भूमि का अतिक्रमण किसी भी परिस्थिति में बर्दाशत नहीं किया जायेगा और इस प्रकार की गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। ऐसे अज्ञात लोगों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही के निर्देश दिए हैं।

नगर निगम भिलाई की इस कार्यवाही से यह संदेश गया है कि शहर की जमीन और संपत्ति का संरक्षण प्राथमिकता है और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जायेगें। कार्यवाही के दौरान कार्यपालन अभियंता अनिल सिंह, सहायक अभियंता नितेश मेश्राम, उप अभियंता दीपक देवांगन, जोन स्वास्थ्य अधिकारी बीरेन्द्र बंजारे एवं अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

## भिलाई के स्वदेशी मेला प्रांगण में सुंदरकांड और हनुमान पाठ का हुआ आयोजन

*नई दृष्टिबिंदु / भिलाई*

भिलाई शहर में आयोजित स्वदेशी मेले के अंर्तगत मेला प्रांगण में सनातन परंपरा का निर्वहन करते हुए श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ सुंदरकांड एवं हनुमान पाठ का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुजन, व्यापारीगण एवं स्वदेशी विचार से जुड़े कार्यकर्ता उपस्थित रहे और भगवान हनुमान जी की आराधना में सहभागी बने।

स्वदेशी जागरण फाउंडेशन इकाई व भारतीय विपणन विकास केंद्र सीबीडीएम द्वारा आयोजित स्वदेशी मेला के प्रबंधक सुब्रत चाकी, मेला संयोजक अजय भसीन ने बताया कि सनातन परंपरा में किसी भी शुभ कार्य के सफल आयोजन, बाधाओं की निवृत्ति तथा सकारात्मक ऊर्जा के संचार के लिए सुंदरकांड पाठ और हनुमान जी की आराधना का विशेष महत्व माना गया है। मान्यता है कि हनुमान जी के स्मरण से साहस, शक्ति और सफलता का मार्ग प्रशस्त होता है तथा समाज में सुख-समृद्धि का वातावरण बनता है। इसी उद्देश्य के साथ स्वदेशी मेले के सफल आयोजन, देश की समृद्धि, स्वदेशी विचार के व्यापक प्रसार तथा समाज की सुख-शांति और कल्याण की कामना करते हुए यह धार्मिक आयोजन किया गया। पूरे मेला प्रांगण में भक्ति, श्रद्धा और आध्यात्मिक वातावरण का सुंदर संचार देखने को मिला।

कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित जनों ने राष्ट्र की उन्नति, समाज के कल्याण और स्वदेशी के विस्तार की कामना करते हुए प्रसाद ग्रहण किया। स्वदेशी मेला स्वागत समिति के अध्यक्ष दिनकर बासोतिया, सहायक प्रबंधक जी आर जगत, विपणन प्रबंधक जयेश पांचाल कहा कि स्वदेशी मेला केवल व्यापारिक गतिविधियों का मंच नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, परंपरा और आध्यात्मिक मूल्यों को जन-जन तक पहुंचाने का एक सशक्त माध्यम भी है।

सुंदरकांड व हनुमान पाठ में मुख्य रूप से सहसंयोजक भोजराज सिन्हा, सरोजनी पाणिग्रही, स्वागत समिति सचिव दिव्या भसीन मक्कड़, समन्वयक अजय तिवारी, कैट के कायर्कारीअध्यक्ष दर्शनठकवानी, तुलसी साहू, बी एन आई चेप्टर हेड भूपेंद्र नेमा, पंजाबी असोसिएशन से जितेंद्रउप्पल, कैलाश मल्होत्रा, दर्शन खटवानी, महेंद्र प्रताप सिंह, राम ओबेरॉय, महिला चेम्बर अध्यक्ष सुमन कनोजे, राजमणि दुबे, बॉबी दास, डी बी निजामी, सविता शर्मा, भारती देशमुख, अबीर गोयल, सरमद इमाम, विजय लक्ष्मी शाह, विकास पांचाल एवम अनेक पदाधिकारी उपस्थित थे। यह जानकारी प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से शंकर सचदेव ने दी।

**70 लाख टन कोयला गायब, 2100 करोड़ का 'कागजी कोयला' खेल?**

# कोरबा की कोयला खदान में 'महाघोटाले' का धमाका!

*नई दृष्टिबिंदु / कोरबा*

छत्तीसगढ़ की ऊर्जा राजधानी कहे जाने वाले कोरबा से एक ऐसा सनसनीखेज खुलासा सामने आया है जिसने पूरे कोयला उद्योग और सरकारी तंत्र को झकझोर दिया है। आरोप है कि South Eastern Coalfields Limited (SECL) की कुसमुंडा परियोजना में करीब 70 लाख टन कोयला रहस्यमय तरीके से गायब हो गया है।

शिकायत में दावा किया गया है कि अधिकारियों ने अपनी जिम्मेदारी से बचने के लिए कागजों में 'फैंटम कोल' यानी अस्तित्वहीन कोयला दिखाकर रिकॉर्ड तैयार कर दिया। यदि यह आरोप सही साबित होते हैं तो इसकी अनुमानित कीमत करीब 2100 करोड़ रुपये से अधिक बैठती है।



### आंकड़ों का खेल या बड़ा घोटाला?

दस्तावेजों के अनुसारः मार्च 2025 क्लोजिंग स्टॉकः 96,90,541.49 टन, अप्रैल 2025 ओपनिंग स्टॉकः 89,99,258.16 टन, लेकिन शिकायतकर्ता का दावा है कि जमीनी स्तर पर स्टॉकयार्ड में महज 20 लाख टन के आसपास कोयला मौजूद है। यानी कागज और जमीन के बीच करीब 70 लाख टन का फासला दिखाई दे रहा है। अब बड़ा सवाल यही है कि यह कोयला आखिर गया कहाँ?

### अधिकारियों की मिलीभगत का आरोप

इस पूरे मामले में कुसमुंडा एरिया जीएम, कोलियरी मैनेजर, एरिया सर्वे ऑफिसर और एएफएम की भूमिका पर सवाल उठाए गए हैं। शिकायत में कहा गया है कि वरिष्ठ अधिकारियों की मिलीभगत के बिना इतने बड़े पैमाने पर सरकारी संपत्ति का गबन संभव ही नहीं है।

### CBI-ED से 'सर्जिकल स्ट्राइक' की मांग

मामले को गंभीर बताते हुए इसकी शिकायत Central Bureu of Investigation (CBI), Enforcement Directorate (ED) और Central Vigilance Commission (CVC) को भेजी गई है। शिकायत में मांग की गई है कि इस कथित घोटाले की तुरंत उच्चस्तरीय जांच कर जिम्मेदार अधिकारियों पर कड़ी कारर्वाई की जाए।

### रिकॉर्ड सील करने और ड्रोन सर्वे की मांग

शिकायतकर्ता ने यह भी मांग की है कि कुसमुंडा के डिस्पैच सेल और माइनिंग सर्वे ऑफिस को तुरंत सील किया जाए। स्टॉकयार्ड का Lidar ड्रोन सर्वे कर वास्तविक कोयला स्टॉक का डिजिटल वॉल्यूमेट्रिक परीक्षण किया जाए। कोल इंडिया के ERP/SAP सिस्टम और वेटब्रिज रिकॉर्ड का फॉरेंसिक ऑडिट कराया जाए। ताकि यह पता चल सके कि कागजों में दिखाया गया कोयला वास्तव में मौजूद है या सिर्फ आंकड़ों का जादू है।

### साक्ष्य मिटाने की आशंका

शिकायत में यह भी चेतावनी दी गई है कि यदि तुरंत कारर्वाई नहीं हुई तो डिजिटल डेटा और दस्तावेजों से छेड़छाड़ कर साक्ष्यों को मिटाने की कोशिश की जा सकती है।

### देश की ऊर्जा संपदा पर बड़ा सवाल

भारत की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने में कोरबा की खदानों की अहम भूमिका है। ऐसे में 2100 करोड़ रुपये के संभावित कोयला घोटाले का आरोप न केवल स्थानीय बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भी गंभीर चिंता का विषय बन गया है। अब सबकी निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि क्या कोयला मंत्रालय और जांच एजेंसियां इस मामले पर त्वरित कारर्वाई करेंगी या यह सनसनीखेज आरोप भी फाइलों में दबकर रह जाएगा।

## कलेक्टर के आदेश पर जनदर्शन में प्राप्त आवेदन पर प्रशासन की त्वरित कार्रवाई

*नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग*

कलेक्टर अभिजीत सिंह के निर्देश पर कलेक्टर जनदर्शन में मिली शिकायतों पर त्वरित कारर्वाई करते हुए आज शहर के विभिन्न क्षेत्रों से अतिक्रमण हटाया गया। जिसके अंतर्गत वार्ड क्रमांक 60 कातुलबोड़ क्षेत्र में सड़क किनारे किए गए अतिक्रमण को हटाया गया।

जनदर्शन में प्रस्तुत आवेदन में बताया गया था कि पुष्पक नगर मार्ग में फल-सब्जी के ठेले एवं अस्थायी दुकानों द्वारा सड़क किनारे अतिक्रमण कर लिया गया है, जिससे मार्ग संकरा हो गया था और आवागमन में बाधा उत्पन्न हो रही थी। मामले को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर अभिजीत सिंह ने नगर पालिक निगम दुर्ग के संबंधित अधिकारियों को तत्काल आवश्यक कारर्वाई करने के निर्देश दिए। निर्देश प्राप्त होते ही नगर निगम की टीम द्वारा मौके पर पहुंचकर सड़क किनारे लगाए गए ठेले एवं अन्य अस्थायी अतिक्रमण को हटवाया गया, जिससे मार्ग को पुनः व्यवस्थित किया गया और आवागमन सुचारू हुआ। इसी प्रकार जनदर्शन में उरला क्षेत्र से प्राप्त एक अन्य शिकायत में शासकीय सार्वजनिक मार्ग पर अवैध निर्माण कर प्लेटफ ॉर्म एवं सीढ़ी बनाए जाने की जानकारी दी गई थी, जिसके कारण मार्ग प्रभावित हो रहा था।

इस प्रकरण में भी कलेक्टर के निर्देश पर संबंधित विभाग द्वारा आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित की गई। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि शासकीय भूमि एवं सार्वजनिक मार्गो पर किसी भी प्रकार का अवैध अतिक्रमण स्वीकार नहीं किया जाएगा। ऐसी शिकायतों पर तत्परता से संज्ञान लेते हुए आवश्यक वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी, ताकि आमजन को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

पीआरजीआई सं.-CTHIN/25/A3746 यह हिंदी सांध्य दैनिक समाचार पत्र नई दृष्टिबिंद स्वामी एवं प्रकाशक आलोक तिवारी द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 से मुद्रित करवा कर। 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से प्रकाशित संपादक आलोक तिवारी मो. 7415469100 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारण न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।